दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक
RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा   वर्ष-23 अंक-145   सीहोर,शनिवार 25 जुलाई 2026   पृष्ठ-8   मूल्य -1 रूपये   सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सरकार के साथ वार्ता के बाद सीजेपी बोली- प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं

नई दिल्ली, (ए.)। सरकार के साथ यहां कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर कोई समझौता नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हमारी इस मांग पर सरकार ने शनिवार दोपहर तक का समय मांगा है। बैठक में सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ जितेंद्र सिंह शामिल थे, जबकि सीजेपी का प्रतिनिधित्व आशुतोष रांका और सौरव दास ने किया।आशुतोष रांका ने पत्रकारों को बताया, सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की हमारी मांग पर कल दोपहर तक का समय मांगा है। हमें उम्मीद है कि सरकार उन्हें जल्द ही हटा देगी। सरकार ने छात्रों पर एफआईआर और कानूनी मामले वापस लेने की दो मांगों पर सैद्धांतिक मंज़ूरी दे दी है। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को गैर-समझौतावादी बताते हुए स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। पार्टी ने कहा कि जब तक उनकी मुख्य मांग पूरी नहीं होती, तब तक जंतर-मंतर पर छात्रों का प्रदर्शन जारी रहेगा। सीजेपी और सरकार के बीच दिल्ली में यह दूसरे दौर की बातचीत थी। इससे पहले 20 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर हुई बातचीत बेनतीजा रही थी। उस बैठक में भी सीजेपी की ओर से आशुतोष रांका और सौरव दास मौजूद रहे थे। इसके पहले सरकार ने कहा था कि हमने चार बार सीजेपी को बातचीत के लिए बुलाया पर वे नहीं आए। वहीं, सीजेपी ने कहा था कि उसके प्रतिनिधि बात करने के लिए जेपी नड्डा के आवास पर नहीं जाएंगे, किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत हो सकती है।

मणिपुर में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन उग्रवादी कैडर और एक ड्रग तस्कर गिरफ्तार

इंफाल, (ए.)। मणिपुर पुलिस ने 23 जुलाई को राज्यभर में चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों से जुड़े तीन सक्रिय कैडरों और एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान हथियार, गोलियां और भारी मात्रा में संदिग्ध हेरोइन भी बरामद की गई। शुक्रवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बिष्णुपुर थाना क्षेत्र के तेरा उराक चेकपोस्ट से पुलिस ने केवाईकेएल के कथित सक्रिय कैडर और रंगदारी वसूली में संलिप्त मयांगलाम्बम टोम्बा सिंह उर्फ लक्ष्पा (39) को गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से चुराचांदपुर के बिजांग खुनौ का निवासी है और वर्तमान में फुबाला राहत शिविर में रह रहा था।

असम में कई इलाके जलमग्न, बाढ़ से 7.21 लाख लोग प्रभावित, 6 लोगों की हुई मौत

- अभी 103 राहत शिविर और 255 राहत वितरण केंद्र से लोगों को पहुंचाई जा रही मदद

गुवाहाटी,(ए.)। असम के कई हिस्से जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 7.21 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। एएसडीएमए के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में देखा गया है, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुष्टि की कि अब तक बाढ़ के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। शिवसागर में 4, जबकि चराइदेव जिले में दो लोग बाढ़ की चपेट में आए। बाढ़ की ताजा रिपोर्ट में किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 5 राजस्व सर्कल और 17 इलाके या वार्ड प्रभावित हुए हैं, जिससे 592 लोग प्रभावित हुए हैं।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर नकली टिकटों के साथ दो नेपाली नागरिक गिरफ्तार, दुबई जाने की थी योजना

हैदराबाद, (ए.)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर शुक्रवार को इमीग्रेशन और एयरलाइंस अधिकारियों ने दुबई जाने की तैयारी कर रहे दो नेपाली नागरिकों को फर्जी हवाई टिकट के साथ हिरासत में लिया। प्रारंभिक जांच में दोनों के टिकट नकली पाए गए, जिसके बाद उन्हें शमशाबाद पुलिस के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार दोनों नेपाली नागरिक दुबई जाने वाली उड़ान से यात्रा करने के लिए राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे थे। बोर्डिंग प्रक्रिया से पहले एयरलाइंस और इमीग्रेशन अधिकारियों ने उनके यात्रा दस्तावेजों और टिकटों की नियमित जांच की। इसी दौरान टिकटों में कुछ संदिग्ध विसंगतियां दिखाई देने पर उनकी गहन जांच की गई।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में चलते वाहन पर गिरी चट्टानें, 13 लोगों की मौत

-मृतकों में 6 महीने का बच्चा भी शामिल

लाहौल-स्पीति,(आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति के पांगी-उदयपुर मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक टाटा सूमो वाहन पर पहाड़ से भारी भरकम चट्टानें गिर गईं। इस हादसे में वाहन में सवार 13 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि वाहन में 15 लोग सवार थे और ये कुल्लू से पांगी की ओर आ रहे थे। भारी बारिश के चलते रास्ता बंद होने की वजह से ये सभी लोग तिंदी में रुके हुए थे।जानकारी के अनुसार, लाहौल घाटी से करीब 60-70 किमी दूर कुडूनाला के पास यह घटना हुई है। यहां चलते वाहन पर पहाड़ी से बड़ी-बड़ी चट्टानें गिरी गईं।हादसे में 2 लोग घायल भी हुए हैं। वहीं, चट्टान गिरने के बाद वाहन पूरी तरह चपटा हो गया है और कई शव भी क्षत-विक्षत हो गए।

संसद मानसून सत्रः विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही 27 जुलाई तक स्थगित

नईदिल्ली(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के 5वें दिन भी लोकसभा में विपक्ष की ओर से भारी हंगामा देखने को मिला। ऐसे में लोकसभा में पीठासीन जगदंबिका पाल ने कार्यवाही को 27 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया है। सदन की कार्यवाही शुरु होते ही विपक्षी सांसदों ने नीट-यूजी पेपर लीक और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध शुरू कर दिया और जमकर नारेबाजी की। इसके बाद कार्यवाही को स्थगित कर दिया।विपक्षी सांसदों ने सदन की कार्यवाही शुरू होती ही नीट में हुई कथित धांधली और पेपर लीक मामले को लेकर विरोध शुरू कर दिया।इसके बाद उन्होंने शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर पीठासीन पाल ने शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन विपक्ष का हंगामा जारी रहा।प्रश्नकाल शुरू होते ही विपक्षी दल बैनर-पोस्टर लेकर वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे। ऐसे में कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा।

नेपाल से भारत में अवैध प्रवेश करते हुए खालिस्थानी समर्थक और अमेरिकी नागरिक समेत 5 दबोचे

नईदिल्ली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा बलों ने नेपाल सीमा से घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे के एक वांछित सदस्य और संगठन से जुड़े एक अमेरिकी नागरिक समेत 5 को गिरफ्तार किया है। बहराइच पुलिस ने बताया कि खालिस्तानी चरमपंथी सदस्य की पहचान विक्रमजीत सिंह और अमेरिकी नागरिक की पहचान मनवीर सिंह ढिल्लों के रूप में हुई है। विक्रमजीत 2023 में पंजाब के एक पुलिस थाने पर हुए हमले में वांछित है।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को नेपाल से रूपाईडीहा सीमा चौकी पार करके भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया है।

युवाओं के लिए मध्यप्रदेश के 4 महानगरों में प्रारंभ होंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना में पर्यटन बढ़ाने के लिए नदी पर बने अनोखे ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट का लोकार्पण किया

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विश्व कल्याण के लिए प्रयास कर रहा है। हमारी संस्कृति में सबके कल्याण और मानवता से प्रेम करने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के चारों महानगरों- भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यह महाराज छत्रसाल, वीर आल्हा-ऊदल की धरती है। सौभाग्यशाली व्यक्ति ही ऐसी पुण्य धरा पर आ सकता है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के संकल्प के अनुसार अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है। केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ की इस परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि देने की स्वीकृति प्रदान की।

मप्र में फिर गरमाया भोजशाला विवाद, चालीसपीर दरगाह पर नहीं हुई जुमे की नमाज

धार, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। यहां शुक्रवार को प्रशासन द्वारा निर्धारित मालीवाड़ा में चालीसपीर दरगाह के पास जुमे की नमाज अदा नहीं की गई। मुस्लिम पक्ष नमाज के लिए भोजशाला के पास वाली जगह देने की मांग पर उड़ा हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने बीती 14 जुलाई को मुस्लिम पक्ष को जुमे की नमाज के लिए भोजशाला के पास जगह उपलब्ध कराने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए थे। न्यायालय ने कहा था कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मालीवाड़ा गांव में चालीसपीर दरगाह के पास नमाज की जगह निर्धारित की थी लेकिन मुस्लिम समुदाय ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

नीट विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-लगातार गलतियों के सिलसिले को खत्म करे सरकार

नईदिल्ली,(आरएनएस)। नीट पेपर लीक के मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि लगातार गलतियों का सिलसिला इसी तरह जारी नहीं रह सकता। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने केंद्र से कहा कि वे इस मामले पर बहुत बारीकी से नजर रखेंगे और नियमित रूप से इसकी समीक्षा करेंगे। पीठ ने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि सब कुछ एक व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत हो।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से नीट-यूजी परीक्षा को पूरी तरह कंप्यूटर-आधारित परीक्षा की ओर बढ़ने की योजनाओं के बारे में जानकारी मांगी। पीठ ने कहा, अगर परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाती है तो डेटा सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाएगी। कृपया हमें बताएं कि आप पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में जाने के लिए क्या कर रहे हैं। कृपया बताएं कि कंप्यूटर-आधारित परीक्षा में जाने पर आप डेटा की सुरक्षा कैसे करेंगे। सरकार ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार किए जाएंगे।सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, प्रिंटिंग से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया कोर्ट के सामने रखी जाएगी।

अमरनाथ सहित सभी यात्राएं शनिवार को भी स्थगित रहेंगी, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

जम्मू, (ए.)। जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम व लगातार हो रही बारिश की वजह से अमरनाथ यात्रा, माता वैष्णो देवी यात्रा, शिव खोड़ी यात्रा और मचैल माता यात्रा शनिवार को भी नहीं शुरू हो पाई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए प्रशासन ने 19 जुलाई शनिवार शाम को ही इन यात्रों को रोक दिया था। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भारी बारिश, भूस्खलन व पत्थर गिरने से आज लगातार तीसरे दिन भी बंद है और रामबन में अभी भी कईं गाड़ियां फंसी हुई है। रामबन व उमधमपुर में ताजा भूस्खलन होने से मार्ग पर पत्थर व मलवा जमा हो गया है, जिसे हटाने के लिए मशीनरी के साथ सड़क निकासी टीमों को प्रभावित स्थानों पर भेजा गया है और मलबा हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है।अधिकारियों ने यात्रियों को मौसम की स्थिति में सुधार होने और निकासी अभियान पूरा होने तक राजमार्ग पर अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। यात्रियों से एनएच-44 पर कोई भी यात्रा करने से पहले आधिकारिक यातायात सलाह का पालन करने का भी आग्रह किया गया है। प्रशासन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है, क्योंकि पूरे क्षेत्र में रुक-रुक कर बारिश जारी है। संवेदनशील इलाकों में अधिक पत्थर गिरने और भूस्खलन की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में सातवें दिन भी मूसलाधार बारिश के कारण घाटी के कई हिस्सों में झेलम खतरे के निशान के करीब बह रही है।

फिर भड़के राहुल गांधी, बोले- धर्मेंद्र प्रधान को हटाए बिना संसद में चर्चा नहीं, मेरा माइक फिर से किया गया बंद

नई दिल्ली,(ए.)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान कांग्रेस के सांसदों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें पद से नहीं हटाया जाता, तब तक इस मुद्दे पर किसी भी चर्चा में भाग नहीं लिया जाएगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो संदेश और फास्ट ट्रैक कोर्ट के सुझाव पर भी विपक्ष ने सवाल उठाए। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें सदन में अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया गया। संसदीय परंपरा के अनुसार, यदि किसी सदस्य का नाम लिया जाता है तो उसे जवाब देने का अधिकार होता है लेकिन जब वह केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के बयान का जवाब देना चाहते थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया।राहुल गांधी ने विपक्ष का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि छात्रों की तीन प्रमुख मांगें हैं। पहली केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए। दूसरी, छात्रों पर कथित कार्रवाई और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। तीसरी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री को नहीं हटाया जाता, तब तक विपक्ष किसी चर्चा या बातचीत में हिस्सा नहीं लेगा।कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि विपक्ष नीट पेपर लीक मामले पर गंभीर बहस और जवाबदेही चाहता है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि भविष्य में प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर परीक्षा संपन्न होने तक पेपर लीक रोकने के लिए क्या ठोस व्यवस्था की जाएगी। उनके अनुसार छात्रों का भरोसा बहाल करने के लिए पारदर्शी और प्रभावी व्यवस्था आवश्यक है।

फास्ट-ट्रैक कोर्ट केवल भवन नहीं होते बल्कि उनके लिए न्यायाधीश, कोर्ट मास्टर और अन्य स्टाफ की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने सरकार से पूछा कि इन व्यवस्थाओं को कब पूरा किया जाएगा। कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन ने भी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि सभी राजनीतिक दलों, छात्रों और सांसदों का मानना है कि इस पूरे मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नीट सहित अन्य परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं और छात्रों के खिलाफ हुई कथित हिंसा की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए।

मप्र में पेपर लीक के विरोध में सड़कों पर उतरे छात्र-युवा, इंदौर में ढोल-मंजीरों के साथ प्रदर्शन, रीवा-सतना में पुलिस से झड़प

भोपाल, (ए.)। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन की गूंज अब मध्य प्रदेश में भी सुनाई देने लगी है। शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में छात्र संगठनों, युवाओं और सामाजिक संगठनों ने धरना-प्रदर्शन, रैली और ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। इस दौरान कई स्थानों पर नारेबाजी हुई, जबकि रीवा और सतना में प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच झड़प की स्थिति भी बनी।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना, पेपर लीक मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग शामिल रही। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का आधार होती हैं। इसलिए परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाए।

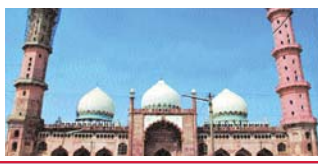

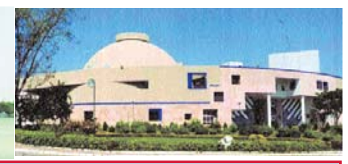

तकनीक, समन्वय और प्रशिक्षित पुलिस बल के दम पर होगा सुरक्षित एवं व्यवस्थित सिंहस्थ-2028 : डीजीपी कैलाश मकवाणा

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को गति देने के लिए मास्टर ट्रेनर्स का राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित

भोपाल (ए.)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल सिंहस्थ-2028 की व्यापक तैयारियों के मद्देनजर शुक्रवार को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में सिंहस्थ-2028 : ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (ToT) कोर्स - प्रशिक्षित प्रशिक्षकों का राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य सिंहस्थ-2028 के लिए संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा, जिलों में प्रशिक्षण की प्रगति का मूल्यांकन, फील्ड अनुभव साझा करना तथा प्रशिक्षण व्यवस्था में आवश्यक सुधार एवं नवाचारों को पूरे प्रदेश में लागू करने की रणनीति तैयार करना रहा।

सेमिनार में प्रदेशभर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा सिंहस्थ-2028 की तैयारियों से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिलों में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों, प्रशिक्षण मॉड्यूल, ऑनग्राउंड अनुभव, नवाचार, फीडबैक तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि सिंहस्थ-2028 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम है, जिसकी सफलता मध्यप्रदेश पुलिस की पेशेवर दक्षता, संवेदनशीलता एवं समन्वित कार्यशैली की भी परीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस सिंहस्थ-2028 की तैयारियों पर पिछले तीन वर्षों से योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। फरवरी-

303 मास्टर ट्रेनर्स पूरे प्रदेश में दे रहे हैं प्रशिक्षण

2026 में उज्जैन में आयोजित मंथन एवं विषय विशेषज्ञों के सेमिनारों में प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रशिक्षण की व्यापक अवधारणा विकसित की गई। अप्रैल-2026 में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पुलिस ड्यूटी पोर्टल, eHRMS आधारित मानव संसाधन प्रबंधन, साइबर सुरक्षा योजना तथा विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इन्हीं प्रयासों की अगली कड़ी के रूप में आयोजित इस राज्य स्तरीय सेमिनार में अब तक हुए प्रशिक्षण कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना निर्धारित की गई है। डीजीपी मकवाणा ने बताया कि सिंहस्थ-2028 के लिए आवश्यक पुलिस अधोसंरचना के विकास हेतु विस्तृत डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई थी, जिसे समय पर स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा अनेक महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर हैं। आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्य प्रणाली विकसित की जा रही है। पुलिस मुख्यालय द्वारा विकसित eHRMS अंतिम चरण में है, जिसके माध्यम से सिंहस्थ के दौरान हजारों पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी, तैनाती एवं मानव संसाधन प्रबंधन अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश पुलिस ने अनेक महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने प्रयागराज जाकर वहां की व्यवस्थाओं, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा अन्य सर्वोत्तम व्यवस्थाओं का अध्ययन किया, जिन्हें सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस बल को प्रशिक्षित करने के लिए दो चरणों में Training of Trainers (ToT) कार्यक्रम संचालित किए गए, जिनके माध्यम से प्रदेशभर के 303 मास्टर ट्रेनर्स तैयार किए गए हैं। ये प्रशिक्षित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने जिलों में हजारों पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भूमिका आधारित प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2025 में 8,500 तथा वर्ष 2026 में 9,662 पदों पर भर्ती की स्वीकृति मिलने से पुलिस बल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बाघ संरक्षण के प्रति युवाओं को जागरूक करने वन विहार में हुई ओपन क्विज और रेस्क्यू वर्कशॉप

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में वन विहार राष्ट्रीय उद्यान द्वारा बाघ सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों में बाघ संरक्षण एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को ओपन क्विज एवं रेस्क्यू कार्यशाला का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 22 जुलाई से 28 जुलाई तक बाघ सप्ताह के अंतर्गत भोपाल के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को जागरुक बनाने के 'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर विभिन्न आयोजन किये जा रहे हैं। वन विहार में नवीन हाई स्कूल (25वीं बटालियन) में आयोजित ओपन क्विज प्रतियोगिता में वन्यजीव विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बाघों के जीवन, व्यवहार एवं संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों से परिचित कराया। 'मध्यप्रदेश में बाघ' थीम पर आयोजित क्विज में बिद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता के विजेताओं को कैप, बटन बैज एवं मग प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वन विहार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में वन विहार परिसर में रेस्क्यू कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी (भोपाल) और शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) के 56 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यशाला में वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. हमजा फारूकी एवं उनके सहयोगी दिलीप बाथम ने वन्यजीव रेस्क्यू के दौरान उपयोग में आने वाले आधुनिक उपकरणों, तकनीकों एवं सुरक्षा उपायों की व्यावहारिक जानकारी दी।

छात्र हितों के समर्थन में वर्दी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन का सांकेतिक शांतिपूर्ण धरना आज

भोपाल (विलक्षण सक्सेना)। वर्दी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में भोपाल में सांकेतिक एवं शांतिपूर्ण धरना आयोजित करने की घोषणा की है। संगठन के अनुसार यह कार्यक्रम सामाजिक न्याय और छात्र हितों के समर्थन के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। फाउंडेशन द्वारा जारी सूचना के अनुसार धरना 25 जुलाई 2026 (शनिवार) को प्रात: 11:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा (पुराना विधानसभा परिसर के समीप), भोपाल में आयोजित होगा।

संगठन ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से कार्यक्रम में भाग लें। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि धरने के दौरान किसी भी प्रकार की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान न पहुंचे, आम नागरिकों को असुविधा न हो तथा किसी भी समुदाय या वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधि या बयानबाजी से पूरी तरह बचा जाए। पुलिस प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों और शर्तों का पालन करने का भी आग्रह किया गया है। फाउंडेशन के अध्यक्ष मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव (सेवानिवृत्त) ने सभी पूर्व सैनिकों और सहयोगियों से इस शांतिपूर्ण पहल में सहभागिता निभाने का आह्वान करते हुए कहा है कि संगठन हमेशा सामाजिक सरोकारों और छात्र हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

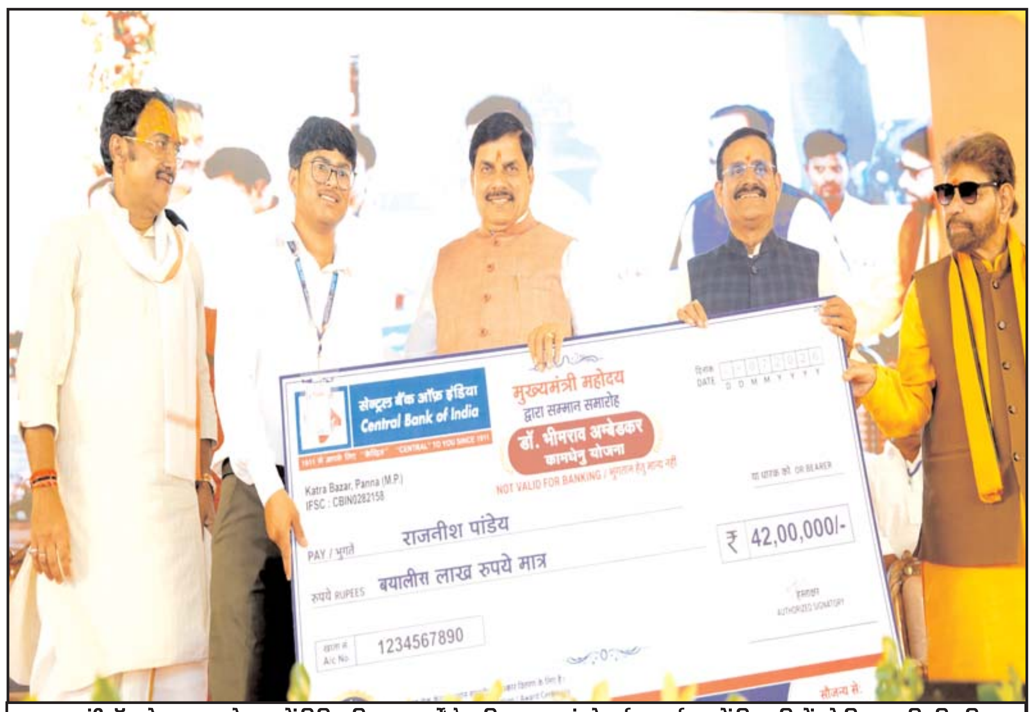

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में ओरछा हेरिटेज विजन के क्रियान्वयन के लिए स्टेट लेवल कमेटी का गठन

भोपाल (ए.)। राज्य शासन द्वारा ओरछा हेरिटेज विज़न के अनुरूप परियोजनाओं की कॉनफॉर्मिटी सुनिश्चित किए जाने के उद्देश्य से हेरिटेज इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लानके क्रियान्वयन, वर्तमान एवं प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता स्टेट लेवल कमेटी का गठन किया है। उल्लेखनीय है कि ओरछा को वर्ष 2027-28 के वर्ल्ड हेरिटेज साइकिल के अंतर्गत यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए नोमिनेशन डोजियर का निर्माण कार्य प्रचलन में है। आईकॉमोस द्वारा फरवरी 2027 में प्रीलिमिनरी असेसमेंट के दौरान यह अनुशंसा की गई थी कि संबंधित धरोहर संपदा के मैनेजमेंट फ्रेमवर्क को इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट प्लान और संबंधित क्षेत्रीय योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन से सुदृढ़ किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में अपर मुख्य सचिव संस्कृति, नगरीय विकास एवं आवास, प्रमुख सचिव वन, लोक निर्माण, आयुक्त, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, कलेक्टर निवाड़ी, क्षेत्रीय निदेशक (मध्य क्षेत्र), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (आइएएस) सदस्य होंगे।

रेल मंत्रालय की 'लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना-2025' के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

तकनीकी रेल विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को मिलेगा प्रोत्साहन

भोपाल (निप्र)। रेल मंत्रालय द्वारा तकनीकी रेल विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना-2025' प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत सेवारत एवं सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के साथ-साथ देश के सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक योग्य लेखक इसमें सहभागिता कर सकें।

योजना के अंतर्गत चयनित मौलिक पुस्तकों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 20,000, द्वितीय पुरस्कार 10,000 तथा तृतीय पुरस्कार 7,000 की राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रस्तुत पुस्तक पूर्णत: मौलिक होनी चाहिए। किसी अन्य भाषा से अनूदित, संपादित अथवा इंटरनेट से डाउनलोड/कॉपी की गई पुस्तकों पर विचार नहीं किया जाएगा। वर्ष 2025 के लिए वही पुस्तकें पात्र होंगी जिनका लेखन अथवा प्रकाशन कार्य 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 के मध्य पूर्ण हुआ हो।

पुस्तकों का विषय रेल संचालन, रेल प्रबंधन अथवा भारतीय रेल से संबंधित अन्य तकनीकी विषयों पर आधारित होना चाहिए। पुस्तक न्यूनतम 100 पृष्ठों की हो तथा उसका आकार 12 से अधिक न हो। जिन पुस्तकों को भारत सरकार,

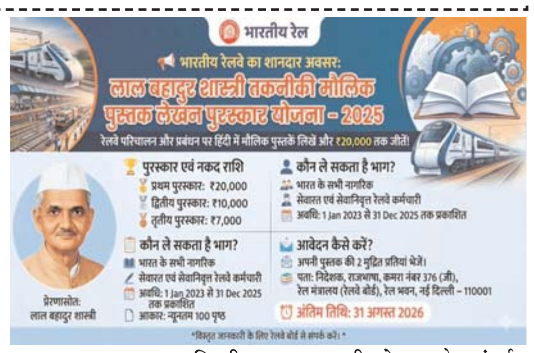

राज्य सरकार अथवा किसी अन्य सरकारी योजना के अंतर्गत पूर्व में पुरस्कार प्राप्त हो चुका है, उन्हें इस योजना में शामिल नहीं किया जाएगा। साथ ही, जो पुस्तकें इस योजना में पहले प्रस्तुत की जा चुकी हैं, उन्हें पुन: स्वीकार नहीं किया जाएगा।

इच्छुक प्रतिभागी अपनी पुस्तक की दो मुद्रित अथवा टंकित प्रतियों के साथ निर्धारित आवेदन प्रपत्र एवं घोषणा पत्र भरकर 31 अगस्त 2026 तक निदेशक, राजभाषा, कक्ष संख्या-376 (जी), रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), रेल भवन, नई दिल्ली-110001 के पते पर भेज सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। भोपाल मंडल ने साहित्यकारों, तकनीकी विशेषज्ञों, रेलकर्मियों एवं हिंदी में तकनीकी लेखन से जुड़े सभी इच्छुक नागरिकों से इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

भोपाल के बिलखिरिया में महिला टीचर से रेप

सहकर्मी मंदिर ले जाने के बहाने घर ले गया; 6 महीने तक धमकाकर दुष्कर्म करता रहा, अरेस्ट

भोपाल (ए.)। भोपाल के बिलखिरिया थाना क्षेत्र में सरकारी स्कूल की 47 वर्षीय महिला शिक्षक ने अपने सहकर्मी पर दुष्कर्म और लगातार यौन शोषण का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिसंबर 2025 में महिला को मंदिर ले जाने के बहाने अपने घर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर करीब 6 महीने तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश चौहान के मुताबिक, पीड़िता शासकीय स्कूल में शिक्षक है। आरोपी उसी स्कूल में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत है। पुलिस के अनुसार, अरोपी ने पीड़िता को कथित रूप से जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपी विवाहित है। उसकी 22 वर्षीय बेटी भी है।पीड़ित महिला ने हाल ही में पूरी घटना की जानकारी अपने पति को दी। इसके बाद उसने बिलखिरिया थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

एशियन रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी को लेकर मंत्री श्री सारंग से मिला रोइंग फेडरेशन 2026-27 ऑफ इंडिया का प्रतिनिधिमंडल

भोपाल को अंतरराष्ट्रीय रोइंग हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है। रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (RFI) के महासचिव सुभाषित मुखर्जी के नेतृत्व में फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से उनके निज निवास पर शिष्टाचार भेंट कर वर्ष 2027 की एशियन रोइंग चैंपियनशिप एवं एशियन रोइंग कप-1 की मेजबानी के लिए भोपाल की दावेदारी पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री श्री सारंग को औपचारिक प्रस्ताव सौंपते हुए मध्यप्रदेश सरकार से अनुरोध किया कि भारत की ओर से भोपाल को मेजबानी दिलाने के लिए राज्य सरकार, रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी कर एशियन रोइंग फेडरेशन के समक्ष सशक्त एवं प्रभावी दावेदारी प्रस्तुत करें।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि भोपाल का अपर लेक (बड़ा तालाब) अपनी प्राकृतिक विशेषताओं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रोइंग सुविधाओं, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के अनुभव तथा राज्य सरकार के निरंतर सहयोग के कारण एशिया की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए भारत का सबसे मजबूत विकल्प है। इस आयोजन से एशिया के शीर्ष खिलाड़ी, तकनीकी अधिकारी और खेल प्रशासक भोपाल आएंगे, जिससे मध्यप्रदेश की खेल अधोसंरचना, पर्यटन और आयोजन क्षमता को वैश्विक पहचान मिलेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से देश की स्पोर्ट्स कैपिटल के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। प्रदेश में विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना विकसित की जा रही है और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भोपाल को वर्ष 2027 की एशियन रोइंग चैंपियनशिप एवं एशियन रोइंग कप-1 की मेजबानी दिलाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि यदि यह प्रतिष्ठित आयोजन भोपाल को मिलता है तो यह प्रदेश के लिए गौरव का विषय होगा तथा इससे खेल पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था, युवाओं में रोइंग खेल के प्रति रुचि और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी।

संतों की वाणी से बेहतर जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होकर संतों का प्राप्त किया आशीर्वाद

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अलौकिक जगत में संतों की वाणी से बेहतर जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है। हमारे जीवन में संस्कारों का होना भी बहुत आवश्यक है। देश के सभी तीज-त्यौहार भी सार्थक संदेश के माध्यम से मानव कल्याण का संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को पन्ना प्रवास के दौरान जुगल किशोर मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के कार्यक्रम में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने श्रीधाम वृंदावन से पधारे संत श्री श्री 108 महंत स्वामी किशोरदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त

किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों से आए भक्तगणों का अभिवादन कर संतों के सानिध्य में प्रेरणादायी वक्तव्य का अनुसरण करने की बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना की पावन धरा वृंदावन का लघु स्वरूप है, इसी तरह बुंदेलखंड के अयोध्या के रूप में ओरछा की मान्यता है। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा के साथ अलग-अलग धर्म के सभी पर्वों को उत्साह के साथ मनाएं। साथ ही विक्रम सम्वत् के आयोजन तथा भगवान श्रीराम और कृष्ण से जुड़े स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित करने की बात भी कही। अब प्रदेश के सीएम राइज स्कूल सांदीपनि विद्यालय के नाम से संचालित हैं। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन और पुस्तकालय की स्थापना होगी।

भोपाल मंडल पर तत्काल आरक्षण हेतु टोकन वितरण की नई एवं पारदर्शी व्यवस्था 01 अगस्त 2026 से लागू

भोपाल (निप्र)। यात्रियों की सुविधा, पारदर्शिता एवं दलालों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भोपाल मंडल पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा तत्काल आरक्षण के लिए टोकन वितरण की नई व्यवस्था लागू की जा रही है। यह नई व्यवस्था भोपाल मंडल के समस्त आरक्षण केंद्रों पर दिनांक 01 अगस्त 2026 से प्रभावी होगी।

नई व्यवस्था के अंतर्गत यात्रियों को तत्काल टिकट प्राप्त करने के लिए टोकन निर्धारित समयावधि में वितरित किए जाएंगे। एसी तत्काल आरक्षण के लिए प्रात: 08:30 बजे से 09:00 बजे तक तथा नॉन-एसी तत्काल आरक्षण के लिए प्रात: 09:00 बजे से 09:30 बजे तक टोकन जारी किए जाएंगे। प्रत्येक काउंटर पर एसी श्रेणी के लिए अधिकतम 10 तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 15 टोकन वितरित किए जाएंगे। भीड़ एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सक्षम अधिकारी इनकी संख्या में आवश्यक परिवर्तन कर सकेंगे।

नई व्यवस्था में दो तरह की प्राथमिकता होंगी -

1.प्राथमिकता 'A' :- स्वयं अथवा अपने पारिवारिक सदस्यों (दादा-दादी, माता-पिता, भाई-बहन, पुत्र-पुत्री, पति-पत्नी केवल) के लिए तत्काल टिकट लेने वाले यात्रियों को प्रथम प्राथमिकता 'A' श्रेणी मे रखा जायेगा। इस प्राथमिकता वाले यात्रियों को निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है:-

i स्वयं के लिये :- स्वप्रमाणित आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य अन्य फोटो पहचान पत्र।

ii. परिवारिक सदस्य के लिये :-

a. आवेदन प्रपत्र (Requisition Form) प्रस्तुत करने

वाले प्रतिनिधि परिवार सदस्य के आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति, तथा

b. यात्रा करने वाले किसी भी परिवारिक सदस्य के आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा स्वीकार्य किसी अन्य फोटो पहचान पत्र की स्वप्रमाणित प्रति, तथा/अथवा c. यदि उपर्युक्त दोनों दस्तावेज़ों से पारिवारिक संबंध स्थापित नहीं होता है, तो पारिवारिक संबंध के दस्तावेजी प्रमाण की स्वप्रमाणित प्रति (जैसे - राशन कार्ड, फैमिली मेडिकल कार्ड अथवा परिवार का विवरण दर्शाने वाला कोई अन्य सरकारी दस्तावेज़)।

2. प्राथमिकता 'B' :- प्राथमिकता 'A' श्रेणी के अतिरिक्त आने वाले यात्रियों को इस श्रेणी के अंतर्गत रखा जायेगा । इस प्राथमिकता वाले यात्रियों को निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है:- a. प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति/प्रतिनिधि के आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य किसी अन्य फोटो पहचान-पत्र की स्वयं सत्यापित (Self-attested) प्रति तथा जिस यात्री के लिए आरक्षण कराया जा रहा है, उसके आधार कार्ड अथवा रेलवे द्वारा मान्य किसी अन्य फोटो पहचान-पत्र की स्वयं सत्यापित प्रति, जिस पर आरक्षण चाहने वाले यात्री के हस्ताक्षर हों।

टोकनों का आवंटन प्राथमिकता के अनुसार क्रमबद्ध तरीके से किया जाएगा। पहले सभी ए (स्वयं एवं परिवार) श्रेणी के टोकन धारकों का कार्य पूर्ण होने के बाद ही बी श्रेणी के यात्रियों को आरक्षण काउंटर पर अवसर मिलेगा। प्रत्येक टोकन पर काउंटर संख्या अंकित होगी तथा उसका विवरण निर्धारित रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा, जिससे एक ही व्यक्ति द्वारा बार-बार टोकन लेने अथवा टाउट गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। टोकन किसी भी परिस्थिति में हस्तांतरणीय नहीं होगा तथा टोकन प्राप्त करने वाला व्यक्ति ही संबंधित आरक्षण काउंटर से टिकट प्राप्त करने का पात्र होगा। टोकनधारकों के कार्य पूर्ण होने के उपरांत, उपलब्धता के आधार पर तत्काल टिकटों की बुकिंग पूर्ववत पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर की जाएगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यह नई व्यवस्था यात्रियों को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक आरक्षण सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यात्री तत्काल आरक्षण हेतु निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें तथा किसी भी प्रकार के अनधिकृत दलालों अथवा बिचौलियों से दूर रहें।

गांधी-अंबेडकर प्रतिमाओं तक कैंडल मार्च निकालेगी कांग्रेस

भोपाल (ए.)। NEET और CBSE परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस शनिवार को मध्य प्रदेश के सभी जिलों में बड़ा आंदोलन करेगी। पार्टी ने जिला स्तर पर कैंडल मार्च और सत्याग्रह करने का फैसला किया है। इसमें प्रदेश कांग्रेस से लेकर जिला, ब्लॉक और फ्रंट संगठनों के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। कांग्रेस ने छात्रों, युवाओं, अभिभावकों और सिविल सोसायटी के लोगों को भी आंदोलन से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को सभी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों को इस संबंध में सर्कुलर जारी किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश पर यह कार्यक्रम देशभर में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश के प्रत्येक जिले में भी विरोध प्रदर्शन होगा।

पार्टी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटियों के नेतृत्व में कैंडल मार्च निकाला जाएगा। मार्च का समापन महात्मा गांधी या डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर होगा, जहां कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सत्याग्रह करेंगे।कांग्रेस का आरोप है कि NEET और CBSE परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के कारण छात्रों और युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। पार्टी ने दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं और सरकारी कार्रवाई को भी विरोध का आधार बनाया है।

मध्य प्रदेश में होने वाले प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाएगी। एआईसीसी ने अपने सर्कुलर में परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करने और उनके तत्काल इस्तीफे की मांग करने के निर्देश दिए हैं। आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस कमेटी, जिला कांग्रेस कमेटियां, ब्लॉक कांग्रेस कमेटियां, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई समेत पार्टी के सभी प्रकोष्ठों और अग्रिम संगठनों को सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस का प्रयास है कि यह आंदोलन केवल पार्टी कार्यकर्ताओं तक सीमित न रहे, बल्कि इसे व्यापक छात्र-युवा आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। एआईसीसी ने निर्देश दिए हैं कि सभी जिलों में कैंडल मार्च और सत्याग्रह शांतिपूर्ण, अनुशासित और प्रभावी तरीके से आयोजित किए जाएं। साथ ही कार्यक्रमों को मीडिया और सोशल मीडिया पर व्यापक स्तर पर प्रचारित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

तेज बारिश में दादर और नगर हवेली में फंसे झाबुआ के 70 मजदूर, प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

झाबुआ (ए.)। मध्य प्रदेश के झाबुआ से पलायन कर रोजगार की तलाश में दादर और नगर हवेली पहुंचे मजदूरों की स्थिति इन दिनों बेहद चिंताजनक हो गई है। गुरुवार को इन मजदूरों का एक दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में करीब 70 मजदूर अपने परिवार और छोटे-छोटे बच्चों के साथ एक मकान में फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं। मकान चारों ओर से पानी से घिरा हुआ है और लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे खतरा और भी बढ़ गया है।

ये सभी मजदूर कालापीपल क्षेत्र के निवासी हैं

मिली जानकारी के अनुसार, ये सभी मजदूर कालापीपल क्षेत्र के निवासी हैं, जो कुछ समय पहले रोजगार की तलाश में गए थे। अचानक मौसम बिगड़ने और भारी बारिश के चलते वहां बाढ़ जैसे हालात बन गए। अपनी जान बचाने के लिए मजदूरों ने एक मकान में शरण ली, लेकिन अब वही मकान पानी से घिर गया है और बाहर निकलने के सभी रास्ते बंद हो चुके हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि मजदूरों और उनके परिवारों में भय और दहशत का माहौल है।

झाबुआ कलेक्टर जानें क्या बोलें ?

इस संकट की घड़ी में मजदूरों ने वीडियो बनाकर स्थानीय प्रशासन और झाबुआ जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन भी हरकत में आ गया है। झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने बताया कि उन्होंने दादरा और नगर हवेली के संबंधित कलेक्टर से चर्चा की है और मजदूरों की सुरक्षित वापसी के लिए समन्वय किया जा रहा है।

'जल्द मजदूरों को घर लाया जाएगा'

वहीं, झाबुआ एसडीएम महेश मंडलोई ने जानकारी दी कि जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है और संबंधित अधिकारियों से लगातार संपर्क में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी मजदूरों को जल्द से जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाकर उनके घर वापस लाया जाएगा। प्रशासन के इस आश्वासन से मजदूरों के परिजनों को कुछ राहत मिली है।

झाबुआ एसडीएम महेश मंडलोई ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो हमारे संज्ञान में आया है जिसमें अत्याधिक वर्षा के कारण झाबुआ जिले के मजदूर दादरा-नगर हवेली में बाढ़ के बीच एक मकान में फंसे हैं। हम लगातार वहां के प्रशासन के संपर्क में हैं। हमने वहां फंसे लोगों से भी चर्चा की है, उन्होंने कहां है कि वे सभी सुरक्षित हैं। झाबुआ आने के लिए शुक्रवार को वहां से निकल चुके हैं।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म : रील्स देखकर खूबसूरत वादियों को करीब से देखने की चाहत ने युवती को दिया गहरा जख्म

चित्रकूट (ए.)। सोशल मीडिया पर रील्स देखकर खूबसूरत वादियों को करीब से देखने की चाहत ने एक छात्रा का गहरा जख्म दे दिया। प्रसिद्ध देवांगना घाटी घूमने के दौरान छात्रा के साथ दरिंदगी की गई। पीड़िता अपने इंस्टाग्राम दोस्त के साथ देवांगना घाटी की पहाड़ियों में रील बना रही थी, तभी दो दरिंदों ने उसे घेर लिया और उसके साथ जबरदस्ती की।

मध्य प्रदेश के नयागांव थाना क्षेत्र की रहने वाली छात्रा राजस्थान के कोटा में अपने पिता के साथ रहकर 12वीं की पढ़ाई कर रही है। कुछ दिन पहले ही वह छुट्टियों में अपने घर आई थी। छात्रा के मुताबिक, महज एक सप्ताह पहले ही इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान चित्रकूट निवासी 17 वर्षीय किशोर (11वीं का छात्र है) से हुई थी। इंस्टाग्राम पर देवांगना घाटी के सुंदर वीडियो देखकर छात्रा की वहां घूमने की इच्छा हुई।

उसने अपने दोस्त से संपर्क किया और चित्रकूट आने की बात कही। छात्रा अपने दोस्त के साथ बाइक से देवांगना घाटी पहुंची। जहां दोपहर करीब साढ़े तीन बजे दोनों एक चट्टान पर बैठकर मोबाइल से रील बना रहे थे। तभी बाइक सवार आरोपी वहां पहुंचे, पहले दोनों को धमकाया और किशोर की पिटाई कर बांध दिया। इसके बाद दो युवकों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया और भाग गए।

दिनदहाड़े टॉवर चौक पर गोलीकांड, भीड़भाड़ में बुजुर्ग को मारी गोली; हमलावर को रेलवे ट्रैक से दबोचा

उज्जैन (ए.)। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में शुक्रवार दोपहर तीन बजे ऐसा मंजर हुआ, जिसने पूरे शहर को हिला कर रख दिया। शहर के सबसे व्यस्त इलाके टॉवर चौक में एक विक्षिप्त युवक ने अचानक बुजुर्ग पर गोली चला दी। गोली सीधे पेट में लगी और बुजुर्ग सड़क पर खून से लथपथ गिर पड़े। चंद मिनटों में ही पूरा चौराहा चीख-पुकार और अफरा-तफरी से गूंज उठा।

प्रत्यक्षदर्शी और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी अनमोल ने बताया कि मैं ड्यूटी कर रहा था तभी एक व्यक्ति तेज गति से दौड़ता हुआ आया। वो मानसिक रूप से विक्षिप्त लग रहा था। बिना कुछ बोले उसने बुजुर्ग पर गोली चलाई और भाग गया। गोली लगते ही बुजुर्ग आशुतोष पिता छोगालाल सोनी, निवासी अब्दालपुरा जमीन पर गिर पड़े।आसपास के दुकानदार और राहगीरों ने तुरंत उन्हें उठाकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

रेलवे ट्रैक पर पकड़ा गया आरोपी

वारदात के बाद माधव नगर थाना पुलिस ने तुरंत घेराबंदी की। आरोपी प्रभुलाल मालवीय, निवासी तराना को रेलवे ट्रैक के पास से दौड़ते हुए हिरासत में लिया गया। सीएसपी दीपिका शिंदे ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की हालत ठीक नहीं है। वो विक्षिप्त नजर आ रहा है। पूछताछ में वो कुछ बता नहीं पा रहा है कि उसने गोली क्यों चलाई।

शून्य अंक से भड़के विद्यार्थी! बीकॉम परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप, विवि पहुंचे छात्रों ने दी यह चेतावनी

उज्जैन(ए.)। उज्जैन के नागदा के दो शासकीय कॉलेजों के 47 से अधिक बीकॉम द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को एक ही विषय में शून्य अंक और सप्लीमेंट्री दिए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि परीक्षा केंद्र पर निजी कॉलेजों के विद्यार्थियों को नकल और विशेष सुविधा दी गई, जबकि शासकीय कॉलेज के नियमित छात्रों के साथ भेदभाव कर मनमाने तरीके से फेल किया गया। आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने विक्रम विश्वविद्यालय पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया और कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

वहशी बाबा की करतूतः संतान की चाह में परेशान महिला का ढोंगी ने उठाया फायदा, झाड़-फूंक के नाम पर कर दिया ये कांड

टीकमगढ़ (ए.)। टीकमगढ़ जिले के बल्देवगढ़ थाना क्षेत्र में अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र के नाम पर एक महिला के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली महिला को झाड़-फूंक और तांत्रिक क्रियाओं के जरिए संतान होने का भरोसा दिलाकर एक ढोंगी तांत्रिक ने अपने जाल में फंसा लिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता लंबे समय से संतान न होने के कारण मानसिक रूप से परेशान थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात आरोपी तांत्रिक से हुई। आरोपी ने स्वयं को तंत्र-मंत्र और झाड़-फूंक के जरिए संतान प्राप्ति कराने में सक्षम बताते हुए महिला का विश्वास जीत लिया। उसने दावा किया कि विशेष पूजा-पाठ और तांत्रिक अनुष्ठान करने से महिला की समस्या दूर हो जाएगी।

आरोप है कि इसी बहाने तांत्रिक ने महिला को एकांत स्थान पर बुलाया और धार्मिक अनुष्ठान का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने महिला को किसी से भी इस बारे में कुछ न बताने के लिए डराया-धमकाया। कुछ समय बाद पीड़िता ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई। परिजन तत्काल उसे लेकर बल्देवगढ़ थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ढोंगी तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए। एडिशनल एसपी विक्रम सिंह कुशवाह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अंधविश्वास, झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र के नाम पर किसी के बहकावे में न आएं। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या धोखाधड़ी की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि ऐसे ढोंगी तांत्रिकों के खिलाफ समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके।

भोजशालाः प्रशासन ने मुस्लिम प्रतिनिधियों से की चर्चा, नमाज को लेकर नहीं बन सकी बात; SC में 29 जुलाई को सुनवाई

धार (ए.)। धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रहा विवाद एक बार फिर गरमा गया है। जुमे की नमाज के लिए जिला प्रशासन द्वारा तय किए गए वैकल्पिक स्थान को लेकर मुस्लिम पक्ष और प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। मुस्लिम समाज ने प्रशासन द्वारा सुझाई गई जगह पर कड़ी आपत्ति जताई है। गुरुवार देर रात प्रशासन ने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया। काफी देर तक चली बैठक के बाद भी स्थान को लेकर कोई सहमति नहीं बन सकी। इधर सुप्रीम कोर्ट भी मामले को 29 जुलाई को सुनेगा।

सुप्रीम कोर्ट में 29 को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा धार स्थित विवादित भोजशाला परिसर के लिए चिन्हित वैकल्पिक नमाज स्थल की दूरी को लेकर मुस्लिम पक्ष की अंतरिम याचिका पर 29 जुलाई को सुनवाई करने पर सहमति जताई।

मुस्लिम पक्ष ने अदालत से मांग की है कि उन्हें भोजशाला परिसर के निकट शुक्रवार की नमाज अदा करने के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाए।

22 जुलाई को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस याचिका को शुक्रवार को सूचीबद्ध करने का आश्वासन दिया था। हालांकि, मामला कारण सूची में शामिल नहीं होने पर वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ैफा अहमदी ने दिन की कार्यवाही के अंत में इसका उल्लेख किया।

23 साल पहले बना फोरलेन अब होगा आठलेन, इंदौर में सुपर कॉरिडोर पर एक और ब्रिज का निर्माण

इंदौर (ए.)। दो साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले को देखते हुए इंदौर विकास प्राधिकरण ने सुपर कॉरिडोर पर एक और ब्रिज के निर्माण की तैयारी शुरू कर दी है। यह ब्रिज उस स्थान पर बनेगा, जहां 23 साल पहले चार लेन का ब्रिज बनाया गया था। पुराने और नए ब्रिज की कुल चौड़ाई आठ लेन होगी, जिससे सिंहस्थ के दौरान बढ़ने वाले ट्रैफिक को इस मार्ग से गुजरने में आसानी होगी।

दिल्ली जंतर-मंतर के आंदोलन के बीच उज्जैन में भी महापड़ाव जारी, प्रदर्शनकारियों ने की ये पांच बड़ी मांगें

उज्जैन (ए.)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का असर देश के अन्य हिस्सों में दिख रहा है। प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठीचार्ज और युवाओं के मुद्दों को लेकर उज्जैन में भी धरना चल रहा है। यहां टावर चौक स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा के नीचे पिछले चार दिनों से भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी और सर्व समाज का महापड़ाव जारी है। बरसाती पन्नी तानकर बैठे प्रदर्शनकारी एक ही नारा लगा रहे हैं कि नीट घोटाले का जवाब दो, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो...।

व्यापार समाचार

कच्चे तेल का भाव 100 डॉलर प्रति बैरल होने से आर्थव्यवस्था पर क्या असर? विशेषज्ञों ने जताई ये आशंका

मुंबई (ए.)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की वजह से कच्चे तेल कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। जिसकी वजह से भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ेगा, क्योंकि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और अपनी जरूरतों का लगभग 85 से 90 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। विशेषज्ञों का कहना है, तेल की बढ़ी हुई कीमतों का असर घरेलू अर्थव्यवस्था पर व्यापक रूप से पड़ता है। इससे आयात बिल बढ़ने से चालू खाता घाटा (सीए) बढ़ सकता है, राजकोषीय घाटे के साथ रुपये पर दबाव बढ़ेगा। वहीं विदेशी पूंजी का आउटफ्लो बढ़ने की संभावना है।

महंगाई और ब्याज दरें बढ़ने की चिंता

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसार कच्चे तेल की कीमतें 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से भारत की जीडीपी वृद्धि में 30 से 40 आधार अंकों की गिरावट आने की आशंका है। ईंधन की बढ़ती कीमतें मुद्रास्फीति के दबाव को बढ़ाती है, जिससे केंद्रीय बैंक (आरबीआई) को ब्याज दरें बढ़ाने या उन्हें उच्च स्तर पर बनाए रखने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

बाजार को कोई राहत नहीं

एचडीएफसी के एमडी एवं सीईओ धीरज रैली कहते हैं, बाजार में स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है, कि आय में वृद्धि लगातार हो, सभी क्षेत्रों भी भागीदारी बढ़े और संस्थानों से स्थिर तरतला के साथ स्थिर मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और मुद्रा पर कम दबाव कच्चे तेल की कीमतों जैसे अनुकूल मैक्रो परिदृय तथा भू-राजनीतिक जोखिमों में कमी आने से होती है।

लेकिन वर्तमान में बाजार को इस मोर्चे पर कोई राहत नहीं मिल रही है। वे कहते हैं, यदि कच्चे तेल कीमतों में यह वृद्धि अस्थाई है तो स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन आय आधारित तेजी, जो तेल कीमतों में सामान्य होने, ब्याज दरों में कटौती और खपत आधारित आय में वृद्धि पर आधारित है, तो उनकी परीक्षा तब होगी जब कच्चे तेल की कीमतें दूसरी या तीसरी तिमाही में 90 डॉलर के बीच स्तर पर बनी रहेंगी।

रुपया 22 पैसे मजबूत होकर 96.51 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई (ए.)। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 22 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.51 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बाद रुपये में और गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के कमजोर होने से रुपये को कुछ समर्थन मिला, जबकि विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में लगातार गिरावट से स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रहा।

ईरान पर अमेरिकी हमलों से बाजार में चिंता, लगातार चौथे दिन सेंसेक्स-निफ्टी फिसले

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। इस कारण सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर आ गया।

बाजार में व्यापक रूप से नकारात्मक रुझान देखने को मिला। अधिकांश निफ्टी सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में चार फीसदी की गिरावट आई। श्रीराम फाइनेंस के शेयर भी तीन फीसदी नीचे बंद हुए। निवेशकों में चिंता का माहौल बना रहा। तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बनी हुई हैं। अमेरिकी सेना ने ईरान पर लगातार 12वीं रात हवाई हमले किए हैं। इसका सीधा असर कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर पड़ा है।

प्रीमियम पेट्रोल रहेगा इथेनॉल मुक्तः E0-E10 पेट्रोल फिर से लाने की कोई योजना नहीं, E20 पर सरकार ने क्या कहा?

नई दिल्ली(ए.)। देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर चल रही चर्चा के बीच सरकार ने बड़ा स्पष्टीकरण दिया है। सरकार ने कहा है कि सरकारी तेल कंपनियों की ओर से बेचे जाने वाले प्रीमियम पेट्रोल में पहले की तरह आगे भी इथेनॉल नहीं मिलाया जाएगा। साथ ही पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक इथेनॉल मिश्रण बढ़ाने का फिलहाल कोई फैसला नहीं हुआ है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि E0 और E10 पेट्रोल की आपूर्ति दोबारा शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सरकार का कहना है कि देश की ईंधन नीति अब स्वच्छ और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित ईंधन की दिशा में आगे बढ़ने की है। लोकसभा में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने लिखित जवाब में बताया कि इंडियन ऑयल का XP100, हिंदुस्तान पेट्रोलियम का poWer100 और भारत पेट्रोलियम का Speed100 जैसे प्रीमियम पेट्रोल में इथेनॉल नहीं मिलाया जाता। ये विशेष प्रकार के ईंधन हैं, जिनमें प्रदर्शन क्षमता बढ़ाने वाले खास एडिटिव्स होते हैं। देश में कुल पेट्रोल बिक्री में इनकी हिस्सेदारी केवल लगभग 0.5 प्रतिशत है।

भारत में आईफोन 17 सीरीज का दबदबा, एप्पल के शिपमेंट में 44 प्रतिशत हिस्सेदारी

मुंबई,(ए.)। एप्पल की आईफोन 17 सीरीज ने 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाई हैं, जो कंपनी के कुल आईफोन शिपमेंट में 44 प्रतिशत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी के साथ सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन लाइनअप बन गया। एक रिपोर्ट में जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 सीरीज 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि आईफोन 17ई का योगदान 6 प्रतिशत और आईफोन 16ई का 5 प्रतिशत रहा। पुरानी आईफोन 15 सीरीज भी 4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने में सफल रही। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि अप्रैल-जून तिमाही आमतौर पर एप्पल के लिए मौसमी रूप से धीमी रहती है, क्योंकि कंपनी अपनी अगली पीढ़ी की आईफोन 18 सीरीज लांच करने की तैयारी करती है।

सोना 400 रुपये टूटा, 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम; चांदी 300 रुपये फिसली

नई दिल्ली (ए.)। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुझानों की वजह से गुरुवार को सोने की कीमत 400 रुपये टूटकर 1,49,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इससे पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,49,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई और यह बुधवार के 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) के बंद स्तर से 300 रुपये टूटकर 2,29,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

गिरावट की ये है बड़ी वजह

कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और इस चिंता के बीच सर्राफा में मुनाफावसूली देखी गई कि लगातार महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति में ढील देने में देरी कर सकते हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं, जिससे महंगाई की चिंताएं बढ़ गईं और इस उम्मीद को बल मिला कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व लंबे समय तक सख्त मौद्रिक नीति रुख बनाए रख सकता है या इस साल के आखिर में ब्याज दरें बढ़ा सकता है, जिससे सर्राफा कीमतों पर दबाव पड़ा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 38.92 डॉलर या एक प्रतिशत टूटकर 4,091.17 डॉलर प्रति औंस रह गया और चांदी लगभग दो प्रतिशत टूटकर 58.65 डॉलर प्रति औंस रह गई।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दखल देख आँखें खुली

कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन पूरे देशवासियों का ध्यान खींचने में सफल रहा है। सोमवार को उसके संसद मार्च के दौरान बड़े पैमाने पर छात्रों पर दमन ने उसके एजेंडे के लिए समर्थन में और इजाफा किया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर डालने के लिए जगह-जगह हुए स्वतः स्फूर्त प्रतिरोध से साफ है कि जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ हो गया है। लेकिन इसे राजनैतिक दृष्टिकोण से न देखकर छात्रों के हितों के रूप में देखना चाहिए क्योंकि जो भी हुआ और हो रहा है वह न तो देश के लिए ठीक है न ही देश के युवाओं के हित में है। शुरुआत में कांग्रेस ने कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा किये जा रहे प्रदर्शन को शांतिपूर्ण देखते हुए संसद में उठाया और जब छात्रों के आंदोलन का दमन शुरू हुआ तब पूरी ताकत से समर्थन किया और प्रधानमंत्री निवास पर अपने समर्थक सांसदों के साथ धरने पर बैठ गये तब मामला बढ़ता हुआ देख सरकार की आंखे खुली और सरकार प्रदर्शन को शांत करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास शुरू किये। उधर महीने भर तक मुंह फेरे रहे कई दलों के नेता मंगलवार को हाजिरी लगाने भी पहुंचे जबकि होना यह चाहिए था कि ये तमाम दल आत्म-निरीक्षण करते कि जिस तरह जन मानस को कॉकरोच जनता पार्टी ने आकर्षित कर लिया है, गुजरे 12 साल में वैसा करने में ये दल क्यों नाकाम रहे हैं ?

जंतर-मंतर: आग अभी बुझी नहीं है

श्रुति व्यास

लुटियन दिल्ली को सोमवार को जिस छात्र आंदोलन ने झकझोरा था, उसकी आग अब भी बुझी नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि अब इस आंदोलन का सबसे अधिक ऊर्जा जेनरेशन-ज़ेड का रचनात्मक हास्य है। गुस्सा है, लेकिन उसके साथ व्यंग्य है, मीम हैं, तख्तियों पर लिखी चुटीली पंक्तियाँ हैं और व्यवस्था को चुनौती देने का एक नया आत्मविश्वास भी।

राहुल गांधी की हिरासत के एक दिन बाद बुधवार को दिल्ली के संसद इलाके का माहौल तनावपूर्ण था, लेकिन वजह बदल चुकी थी। सरकार के लिए यह घेराबंदी का एक और दिन था। वही छात्रों के लिए आंदोलन का एक और सामान्य दिन—जोश, धैर्य और जिद से भरा हुआ।

लुटियंस दिल्ली अब भी एक ऐसे शहर की तस्वीर है, जो किसी बड़े टकराव की आशंका में खुद को किले में बदला हुआ है। प्रधानमंत्री आवास से संसद की ओर जाने वाली सड़कें बैरिकेडिंग की कई परतों के पीछे गुम थीं। पश्चिम बंगाल और कश्मीर से भी अतिरिक्त सुरक्षा बल बुलाए गए है। राजधानी की परिचित हरियाली पर मानों नीले और खाकी रंग का कब्ज़ा। दिल्ली पुलिस, रैपिड एक्शन फोर्स, सीआरपीएफ, दंगा-रोधी वाहन, अश्रु गैस, धुआँ छोड़ने वाले लॉन्चर और लाठियाँ थामे जवान हर चौराहे पर मौजूद। मानो पूरा सत्ता क्षेत्र एक ही संदेश दे रहा हो—राज्य किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। सुबह से खान मार्केट, जोर बाग और इंद्रप्रस्थ सहित सोलह मेट्रो स्टेशन बंद थे।

लेकिन इन सबका छात्रों पर कोई खास असर नहीं दिखाई दिया। वे लगातार बसों, मेट्रो के खुले स्टेशनों और ऑटो से जंतर-मंतर पहुँचते रहे।

आज जब मैं आंदोलन के केंद्र जंतर-मंतर पहुँची तो मंच पर अभिजीत दिपके मौजूद थे। उनके आसपास मीडिया का घना घेरा था। उसी घेरे में समर्थन देने आने वाले राजनीतिक नेताओं की आवाजाही भी लगी हुई थी। लेकिन असली आंदोलन उस घेरे के बाहर था। उमस से भरे आसमान के नीचे सैकड़ों छात्र ज़मीन पर पालथी मारकर बैठे थे। कोई नारे लगा रहा था, कोई गीत गा रहा था, कोई हाथ से बने पोस्टर लहरा रहा था और कोई अपने साथियों का हौसला बढ़ा रहा था।

आज मेरी मुलाकात कई ऐसे छात्रों से हुई जो पहली बार किसी प्रदर्शन में शामिल हुए थे।

इंदौर से आए तीन युवक पूरी रात यात्रा करके बुधवार तड़के दिल्ली पहुँचे थे। उन्हें किसी संगठन ने नहीं बुलाया था। वे सोशल मीडिया पर आंदोलन के वीडियो देखकर यहाँ आए थे।

हम इसलिए आए क्योंकि लगा कि दूसरे छात्रों के साथ खड़ा होना

चाहिए, उनमें से एक ने मुझसे कहा। सिर्फ एकजुटता दिखाने के लिए नहीं, बल्कि इसलिए कि व्यवस्था को कोई तो ठीक करने की कोशिश करे।

फिर उसने एक ऐसी बात कही जिसने शायद पूरे आंदोलन का सबसे सटीक अर्थ सामने रख दिया।

जब मैंने पूछा कि पेपर लीक तो वर्षों से होते आए हैं, फिर यह आंदोलन अलग क्यों है, तो उसने बिना एक पल रुके कहा, पिछली पीढ़ी ने इसे स्वीकार कर लिया था। उन्हें कभी लगा ही नहीं कि गलत को गलत कहकर बदला भी जा सकता है। अगर उन्होंने तब सवाल पूछे होते, तो शायद आज हमें यहाँ खड़ा नहीं होना पड़ता।

उसके इतना कहते ही आसपास बैठे छात्रों ने तालियाँ बजानी शुरू कर दीं छ उस एक संवाद ने वह बात समझा दी जिसे आँकड़े कभी नहीं समझा सकते। इस आंदोलन की ताकत सिर्फ इसकी संख्या में नहीं, बल्कि उस स्पष्टता में है जिसके साथ नई पीढ़ी अपने गुस्से को शब्द देती हुई है। अगर सोमवार ने इस आंदोलन के जन्म की घोषणा की थी, तो बुधवार ने साबित कर दिया कि उसमें टिके रहने की क्षमता भी है।

बुधवार तक आते-आते यह आंदोलन अपना अलग जीवन जीने लगा है। यह अब सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा समुदाय बन चुका है जहाँ असहमति केवल नारों से नहीं, व्यंग्य और हास्य से भी व्यक्त हो रही है। भीड़ में हँसी उतनी ही सहजता से फैल रही थी जितनी नारेबाज़ी। अनजान लोग एक-दूसरे का ख्याल रख रहे थे। और सबसे उल्लेखनीय बात यह थी कि लगभग पूरा प्रबंधन स्वयं छात्रों के हाथ में था।

दस-दस, बारह-बारह छात्रों के छोटे समूह बारिश से भीगी सड़कों पर अपनी जगह बनाए बैठे थे। कोई रातभर सफर करके आया था और योगा मैट पर थोड़ी देर के लिए सो गया था। कोई किताब पढ़ रहा था। कहीं आंदोलन के गीत गूँज रहे थे। कहीं संविधान पर बहस चल रही थी। कहीं कोई अचानक खड़ा होकर भाषण देने लगा था। और कहीं अनजान लोग एक-दूसरे के साथ बिस्कुट और पानी बाँट रहे थे। नारों के बीच-बीच में ठहाके लगातार सुनाई देते रहे।

सबसे अधिक प्रभावित करने वाली बात उनका अनुशासन था। स्वयंसेवकों ने मानव श्रृंखलाएँ बनाकर आने-जाने के रास्ते खुले रखे। कुछ लोग पानी बाँट रहे थे। कुछ नए आने वालों को छाँव की ओर भेज रहे थे। कुछ थके हुए प्रदर्शनकारियों को गत्ते के टुकड़ों से हवा कर रहे थे, क्योंकि दिल्ली की उमस किसी की परीक्षा लेने में कोई कसर नहीं छोड़ रही थी। मेरे लिए ऐसे दिन में घूमना, रिपोर्टिंग करना खुद बेहद थका देने वाला अनुभव था। लेकिन छात्रों ने मानो तय कर लिया है कि न मौसम और न थकान—उनके रास्ते की कुछ भी नई बाधा नहीं बनेगा।

उनके पोस्टरों में जेनरेशन-ज़ेड की अपनी राजनीतिक भाषा साफ दिखाई देती है—तीखी, चतुर, आत्मसजग और बेधड़क व्यंग्यात्मक। मीम अब कार्डबोर्ड पर है। संविधान के उद्धरणों के साथ व्यंग्य, तीखा कटाक्ष सहजता से खड़ा मिला। यहाँ हास्य राजनीति से बचने का माध्यम नहीं था; वही राजनीति की सबसे प्रभावी भाषा बन चुका था।

मेरी मुलाकात आईपी विश्वविद्यालय के कानून के छात्रों से हुई, इग्नू के बीस वर्षीय छात्र से हुई, इंजीनियरिंग स्नातकों से हुई, एमबीए की तैयारी कर रहे युवाओं से हुई और ऐसे अनेक छात्रों से हुई जो पहली बार किसी आंदोलन में आए थे। वे सिर्फ इसलिए रातभर यात्रा करके दिल्ली पहुँचे क्योंकि उन्होंने अपने मोबाइल फ़ोन पर इस आंदोलन को देखा और उन्हें लगा कि उन्हें भी इसका हिस्सा बनना चाहिए।

यह आंदोलन अब किसी एक संगठन या परिसर तक सीमित नहीं रहा। यह पूरी एक पीढ़ी को अपनी ओर खींच रहा है।

शाम ढलते-ढलते जंतर-मंतर किसी पारंपरिक धरना स्थल से अधिक एक आत्मनिर्भर छात्र गणराज्य जैसा दिखाई देने लगा। बैरिकेड वहीं थे। सुरक्षा बल भी वहीं थे। लेकिन छात्र भी वहीं थे। उनकी पोस्टर और पंचलाइन की राजनीति लगातार जारी। ह्यूमर, सटायर, कटाक्ष और क्रिएटिव रेज़िस्टेंस की राजनीति के लगातार नए-नए अनुभव। सोमवार को सत्ता की लुटियन दिल्ली ने उनका गुस्सा देखा। बुधवार को वह धैर्यपूर्ण तैयारी, संगठन क्षमता और यह विश्वास लिए हुए थी कि लंबी लड़ाइयाँ केवल नारों से नहीं, बल्कि लगातार टिके रहने से जीती जाती हैं।

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

– सोनम लववंशी

किसी भी देश की आर्थिक ताकत उसके उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि दुनिया उसके उत्पादों पर कितना भरोसा करती है। निर्यात केवल विदेशी मुद्रा अर्जित करने का माध्यम नहीं होता, वह किसी राष्ट्र की गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण भी होता है। इसलिए जब विदेशी बाजार किसी देश के उत्पादों को गुणवत्ता संबंधी खामियों के कारण लौटाने लगें या उन पर प्रतिबंध लगाने लगें, तो यह व्यापारिक नुकसान ही नहीं , देश की साख पर लगा गंभीर धब्बा भी होता है। दुर्भाग्य से आज भारत इसी चुनौती से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मसाले, आम, मिर्च और चावल जैसे उत्पाद लगातार अंतरराष्ट्रीय जांच और प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में चीन ने भारत से भेजी गई मिर्च की खेप को यह कहते हुए रोक दिया कि उसमें खतरनाक कीटनाशक मेथामिडोफॉस की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। इससे पहले चीन गैर-बासमती चावल की लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान फ्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति का संकेत हैं।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फैसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है।

बेंगलुरु में, स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क में धरना दिया।

देर से आए और दुरुस्त भी नहीं हैं!

अजीत द्विवेदी

कांग्रेस ने छात्रों के मुद्दे पर प्रदर्शन करने में बहुत देरी कर दी। अगर राहुल गांधी 17 जून की अपनी कोटा यात्रा के बाद इस अभियान को जारी रखते तो उनके सामने साख का सवाल नहीं खड़ा होता और न यह आरोप लगता कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि जून में भी कांग्रेस ने प्रदर्शन शुरू करने में बहुत देर कर दी थी। तीन मई को नीट यूजी की परीक्षा हुई थी और सात मई को पेपर लीक की खबर आ गई थी।

एक साल के अंतराल पर यह दूसरी बार हुआ था। इससे पहले 2024 की नीट यूजी परीक्षा में भी पेपर लीक से लेकर परीक्षा केंद्र मैनेज होने की खबरें आई थीं। उस समय पूरी परीक्षा तो रद्द नहीं हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट को दखल देना पड़ा था और कई केंद्रों पर दोबारा परीक्षा हुई थी। 2024 की परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे।

तभी एक साल के अंतराल पर फिर नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद छात्रों और युवाओं का उद्वेलित होना स्वाभाविक था। ध्यान रहे पिछले 10 साल में डेढ़ सौ परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें अनेक परीक्षाएं ऐसी हैं, जिनमें एक लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए थे। तभी मई के पहले हफ्ते में पेपर लीक की खबर आने और 12 मई को परीक्षा रद्द होने के बाद ही कांग्रेस को यह मुद्दा उठाना चाहिए था और सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने इसकी लड़ाई भी सोशल मीडिया में लड़ी। जब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की एक टिप्पणी के आधार पर कॉकरोच जनता पार्टी बन गई और उसने छह जून के प्रदर्शन का ऐलान किया तब कांग्रेस ने उसके पीछे पीछे अपना कार्यक्रम घोषित किया।

कांग्रेस ने तय किया कि राहुल गांधी 17 जून को कोटा जाएंगे। उसके बाद एक लंबा गैप होगा, करीब 23 दिन का। फिर वे 10 जुलाई को प्रयागराज और 11 जुलाई को पटना में छात्रों से संवाद करेंगे और उसके बाद इन तीन कार्यक्रमों का समापन दिल्ली में होगा। यह 23 दिन का जो गैप था वह राहुल गांधी की अगंभीरता और उनकी राजनीति में निरंतरता की कमी को दिखाता है। बताया जा रहा है कि उनका 20 दिन से ज्यादा के लिए विदेश दौरे का निजी कार्यक्रम बना हुआ था।

गौरतलब है कि लगभग उसी समय नीट यूजी के 23 लाख छात्र और सीबीएसई के 10वीं की बोर्ड के 18 लाख के करीब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे। सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग व्यवस्था ने छात्रों को बहुत परेशान किया था। लेकिन राहुल गांधी ने देश में रहते हुए भी इसे बड़ा मुद्दा नहीं बनाया और फिर पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक विदेश चले गए। ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी देश के छात्रों व युवाओं को यकीन दिला पाएंगे कि जरुरत होने पर वे उनके साथ खड़े होंगे और उनका मुद्दा उठाएंगे ? इसमें संदेह है।

राहुल गांधी ने मंगलवार, 21 जून को प्रधानमंत्री आवास के बाहर जो प्रदर्शन किया वह परफॉर्मेटिव पोलिटिक्स का बेहतरीन उदाहरण है। लेकिन उसके पीछे नैतिक बल और प्रतिबद्धता नदारद है। तभी उनके प्रदर्शन में कांग्रेस के लोग जुटे और कांग्रेस के नेताओं ने भीड़ जुटाई। वह भीड़ उस तरह से ऑर्गेनिक नहीं थी, जैसी जंतर मंतर पर जुटी थी या अब भी जंतर मंतर पर जमी है। छात्रों के ऊपर लाठीचार्ज का मुद्दा उठा कर बुधवार, 22 जुलाई को राहुल गांधी और अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहन कर संसद में पहुंचे। लेकिन वास्तविकता यह है कि जब छात्र अपनी समस्याओं से जूझ रहे थे और जंतर मंतर पर लाठी खा रहे थे तब कांग्रेस वहां नहीं थी। इसलिए, आगे भी यह यकीन करना मुश्किल होगा कि समय आने पर कांग्रेस वहां मौजूद रहेगी। कांग्रेस के साथ दूसरी समस्या यह है कि उसके शासन में भी प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर लीक होते थे। अकेले राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के पिछले शासन काल में यानी 2018 से 2023 के बीच 19 बड़ी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। जैसे अभी केंद्र सरकार किसी की जिम्मेदारी तय नहीं कर रही है वैसे ही कांग्रेस ने भी राजस्थान में किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की थी। सो, कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने कई स्तर पर विश्वसनीयता का संकट है। यह संकट सिर्फ निरंतरता और प्रतिबद्धता से दूर हो सकता है। राहुल गांधी की राजनीति में कुछ मामलों में प्रतिबद्धता तो दिखती है लेकिन निरंतरता का घनघोर अभाव है।

अब भी वे आंदोलन में हिस्सा लेने तभी उतरे हैं, जब उनका विदेश दौरा पूरा हो गया, संसद का सत्र चालू हो गया और 20 जुलाई को संसद मार्च में छात्रों व युवाओं की उग्र भावनाओं का ज्वार दिल्ली की सड़कों पर दिखा। इससे पहले ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस ने मान लिया था कि इस मामले में अब कोई दम नहीं है क्योंकि 21 जून को दोबारा परीक्षा हो गई और अब तो नतीजे भी आ गए। कांग्रेस के लोग कहेंगे कि राहुल गांधी की गूंज कार्यक्रम में हिस्सा लेने देहरादून गए थे। लेकिन उसमें राज्य में छह महीने बाद होने वाले चुनाव की तैयारियों की चिंता ज्यादा है।

हालांकि ऐसा नहीं है कि जंतर मंतर पर आंदोलन का नेतृत्व कर रही कॉकरोच जनता पार्टी बहुत प्रतिबद्ध संगठन है। लेकिन उसके पास सोनम वांगचुक का चेहरा है। वांगचुक की भूख हड़ताल ने छात्रों व युवाओं को भरोसा दिलाया और आंदोलन के लिए प्रेरित किया। ऐसी प्रेरणा का भाव कांग्रेस नहीं जगा पा रही है। उसका प्रदर्शन विशुद्ध राजनीतिक गतिविधि है, जिस पर छात्र और उनके अभिभावक कभी भी पूरा यकीन नहीं करेंगे। ऐसा भी हो सकता है कि कांग्रेस की अति सक्रियता छात्रों के मुद्दे को राजनीतिक विमर्श में बदल दे। ऐसा होगा तो भाजपा को फायदा हो जाएगा। तभी बेहतर होता अगर सोनम वांगचुक के आंदोलन से आशंकित होने और उसे हाईजैक करने की कोशिश करने की बजाय कांग्रेस उसे वैसे ही मजबूत करती, जैसे अन्ना हजारे के आंदोलन को भाजपा व आरएसएस ने मजबूत किया था। अगर एक बड़े मुद्दे पर छात्र व युवा आंदोलित होंगे तो चुनावों में अंततः उसका लाभ कांग्रेस को ही मिलेगा क्योंकि वह मुख्य विपक्षी पार्टी है और उसके पास अखिल भारतीय संगठन है। आखिर अन्ना हजारे के आंदोलन का लाभ भी अरविंद केजरीवाल और भाजपा दोनों को मिला था।

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा। व्यवसायिक काम आज आसानी से बनते जाएंगे, लेकिन प्रतिस्पर्धा का सामना भी करना पड़ सकता है।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे। आज ऑफिस में किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने से बचें,धैर्य के साथ काम करें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है। ससुराल पक्ष से आज शुभ समाचार मिलने का योग नजर आ रहा है।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है। संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा, फिल्म इंडस्ट्री से आज आपको ऑफर भी मिल सकता है। घर में लक्ष्मी के रूप में नए मेहमान के आने की खुशी में छोटी-सी पार्टी हो सकती है। आज आपके बिजनेस

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। आज आर्थिक पक्ष पहले से अधिक मजबूत रहेगा।

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बात करते समय सही भाषा का प्रयोग करें।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है। अपने कर्म और पुरुषार्थ से आज आपको बड़ी उपलब्धियां हासिल होंगी।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा।

एक देह का विदा होना, कई घरों में सूर्योदय बन सकता है

[जब व्यवस्था संवेदनशील होती है,
तब मृत्यु भी जीवन बाँटती है]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जीवन का सबसे कठिन संघर्ष अक्सर अस्पताल की चारदीवारी के भीतर लिखा जाता है, जहाँ हर साँस उम्मीद और समय के बीच अंतिम संवाद बन जाती है। कहीं माँ की प्रार्थनाएँ बेटे की धड़कनों का सहारा हैं, कहीं पिता की आँखें बेटी के लिए एक अंग की प्रतीक्षा में हैं, तो कहीं एक मासूम अनजान है कि उसका कल किसी अजनबी के निर्णय पर टिका है। विज्ञान ने एक देह से कई जीवनों को फिर धड़कने की शक्ति पा ली है, लेकिन संवेदनहीन व्यवस्था सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। इसलिए भारत में अंगदान केवल चिकित्सा नहीं, हमारी सामूहिक मानवता की परीक्षा है। जब तक यह संवेदना सशक्त नीतियों में नहीं उतरती, तब तक प्रतीक्षा सूची का हर नाम किसी मरीज का नहीं, बल्कि अधूरी जिंदगी की मौन पुकार बना रहेगा।

संवेदनशील समाज केवल उपदेश नहीं देता, बल्कि करुणा को व्यवस्था का आधार बनाता है। अमेरिका के मिशिगन राज्य ने इसे कानून का रूप दिया है। वहाँ जीवित अंगदाता बनने वाले कर्मचारी के लिए नियोक्ता को 12 सप्ताह के वेतन के बराबर टैक्स क्रेडिट मिलता है। यह केवल आर्थिक प्रोत्साहन नहीं, बल्कि जीवन बचाने के निर्णय का सम्मान है। इससे कर्मचारी को न नौकरी खोने का डर रहता है, न आय घटने की चिंता, और नियोक्ता भी बिना अतिरिक्त बोझ के उसका साथ दे सकता है। भारत में निजी क्षेत्र के अनेक कर्मचारी इच्छा होने पर भी आर्थिक असुरक्षा के कारण अंगदान का साहस नहीं जुटा पाते। ऐसे में यह मॉडल संवेदना और व्यवस्था का प्रभावी उदाहरण बन सकता है।

भारत की सबसे बड़ी कमी अंगदान की इच्छा नहीं, बल्कि उसे संभव बनाने वाली व्यवस्था है। अधिकांश प्रत्यारोपण आज भी जीवित रिश्तेदारों के दान पर निर्भर हैं, जबकि मृतक अंगदान की दर प्रति मिलियन आबादी पर एक से भी कम है। हर वर्ष लगभग 1.6 लाख सड़क दुर्घटना मौतों के बावजूद केवल 1,000-1,200 मृतक अंगदान हो पाते हैं। इसके विपरीत, स्पेन ने यह दर 48 प्रति मिलियन तक पहुँचा दी है। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (नोटो) के अनुसार 2025 में लगभग 20 हजार प्रत्यारोपण हुए, जबकि आवश्यकता इससे कहीं अधिक है। हर वर्ष लाखों लोग अंगों की प्रतीक्षा में दम तोड़ देते हैं। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि अंगदान को राष्ट्रीय सामाजिक संपदा न मानने वाली नीतिगत सोच का परिणाम है। जहाँ लोग अंगों के अभाव में मरें, वहाँ संकट संसाधनों का नहीं, दृष्टिकोण का होता है।किसी अनजान को जीवन देने का साहस तभी जन्म लेता है, जब व्यवस्था सुरक्षा का विश्वास दे। भारत में अंगदान की सबसे बड़ी बाधा चिकित्सा नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा है। परिवार की हिचक, उपचार का खर्च, लंबी रिकवरी और नौकरी का भय लोगों को पीछे हटा देता है। मिशिगन मॉडल इसी समस्या का समाधान देता है। यदि भारत में भी कंपनियों को कर प्रोत्साहन मिले, तो वे कर्मचारियों को सवेतन अवकाश दे सकेंगी। आज 82 हजार से अधिक लोग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में हैं, जबकि एक मृतक अंगदाता आठ से दस जीवन बचा सकता है। कई बार एक संवेदनशील नीति, हजारों अपीलों से अधिक जीवन बचा देती है।

यदि भारत इस दिशा में निर्णायक पहल करे, तो उसका प्रभाव केवल प्रत्यारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व की परिभाषा भी बदलेगी। अस्पताल बनाना और उपकरण दान करना महत्वपूर्ण है, पर अब अपने कर्मचारियों की जीवनदायी संवेदना को संरक्षण देना भी आवश्यक है। मिशिगन की तर्ज पर कर प्रोत्साहन मिलने पर कंपनियाँ सवेतन अवकाश के साथ उपचार, रिकवरी और पुनर्वास में सहयोग दे सकेंगी। यह ऐसा निवेश होगा, जिसका प्रतिफल बैलेंस शीट में नहीं, बल्कि बची हुई धड़कनों और लौटी मुस्कानों में दिखाई देगा। इसके साथ नोटो और राज्य स्तरीय अंगदान नेटवर्क का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि दान और प्रत्यारोपण के बीच समय की दूरी घट सके।भारत के कुछ राज्यों ने साबित किया है कि अंगदान की दिशा संसाधनों से नहीं, संकल्प और सुदृढ़ व्यवस्था से बदलती है। तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना इसके उदाहरण हैं, जबकि उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्य अब भी पीछे हैं। मध्य प्रदेश सरकार दानकर्ताओं को 'गॉड ऑफ ऑनर' का सम्मान देकर उन्हें समाज का हीरो बनाती है। यह अंतर सुविधाओं से अधिक नीतिगत प्राथमिकताओं का है। यदि केंद्र सरकार निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ समान राष्ट्रीय नीति लागू करे, तो यह असमानता सिमट सकती है। भरोसेमंद प्रत्यारोपण तंत्र न केवल लाखों जीवन बचाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं और मेडिकल टूरिज्म का विश्वसनीय केंद्र भी बना सकता है।

स्थायी परिवर्तन तब जन्म लेते हैं, जब नीति, समाज और संस्थाएँ एक ही लक्ष्य के साथ आगे बढ़ती हैं। अंगदान भी इसका अपवाद नहीं है। सरकार नीतिगत संरक्षण दे, उद्योग जगत आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करे और स्वयंसेवी संस्थाएँ जनजागरण का दायित्व निभाएँ—यही साझेदारी इस अभियान को जनआंदोलन बना सकती है।

डॉक्टरों के लिए एनएमसी की नई व्यवस्था, शिकायत और अपील प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देशभर के डॉक्टरों के लिए शिकायत और अपील दर्ज कराने की प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल हो गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने राज्य मेडिकल काउंसिल और एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड (EMRB) के निर्णयों के खिलाफ अपील के लिए ऑनलाइन एथिक्स अपील पोर्टल शुरू किया है। अब सभी अपीलें केवल इसी पोर्टल के माध्यम से स्वीकार की जाएंगी। ईमेल या कागजी आवेदन मान्य नहीं होंगे।एनएमसी की ओर से जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य अपील प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और सरल बनाना है। आयोग का मानना है कि डिजिटल व्यवस्था से मामलों के निपटारे में तेजी आएगी और पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी।आयोग ने डॉक्टरों और संबंधित पक्षों से अपील की है कि आवेदन करते समय सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी सही तरीके से ऑनलाइन अपलोड करें। यदि दस्तावेज अधूरे या जानकारी अपूर्ण होगी, तो अपील के निपटारे में अनावश्यक देरी हो सकती है। नई व्यवस्था के तहत, यदि किसी पंजीकृत डॉक्टर को राज्य मेडिकल काउंसिल के किसी फैसले पर आपत्ति है, तो वह राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 की धारा 30(3) के तहत पहली अपील ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से दाखिल कर सकेगा। वहीं, EMRB के आदेश के खिलाफ दूसरी अपील भी अब इसी पोर्टल पर की जाएगी।एनएमसी का कहना है कि इस डिजिटल व्यवस्था से शिकायत और अपील की पूरी प्रक्रिया अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उपयोगकर्ता के लिए सुविधाजनक बनेगी।

देशभर में 20,149 जन औषधि केंद्र संचालित, मार्च 2027 तक 25 हजार केंद्र खोलने का लक्ष्य

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत देशभर में किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता लगातार बढ़ रही है। 30 जून 2026 तक देश में 20,149 जन औषधि केंद्र संचालित हो चुके हैं। सरकार ने मार्च 2027 तक इन केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 25 हजार करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

2,110 दवाएं और 315 चिकित्सा उत्पाद उपलब्ध

मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के तहत 2,110 जेनेरिक दवाएं तथा 315 शल्य चिकित्सा उत्पाद, चिकित्सा उपभोग्य सामग्री और उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, संक्रमण, एलर्जी, पाचन संबंधी रोगों और पोषण संबंधी आवश्यकताओं से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक कम कीमत पर मिलती हैं, जिससे आम नागरिकों के उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हुआ है।

450 करोड़ के बैंक फ्रॉड मामले में ED का एक्शन, पंजाब, दिल्ली और UP में 8 ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली/लखनऊ (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के लखनऊ जोनल कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एम/एस संतोष ओवरसीज लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ शुक्रवार को कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई करीब 450 करोड़ रुपए के बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच के सिलसिले में की गई।

ईडी सूत्रों के अनुसार, यह जांच सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के आधार पर की जा रही है। आरोप है कि संतोष ओवरसीज लिमिटेड ने बैंकों के एक कंसोर्टियम से लगभग 450 करोड़ रुपए का ऋण लिया था। जांच में सामने आया है कि इस लोन की राशि को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों, एंट्री ऑपरेटरों और संबंधित संस्थाओं के नेटवर्क के जरिए इधर-उधर किया गया। इसके लिए फर्जी बिल और सर्कुलर वित्तीय लेनदेन का सहारा लिया गया ताकि पैसों की असली आवाजाही को छिपाया जा सके।

ईडी ने इस मामले में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और पंजाब में स्थित आठ ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया। इन स्थानों में कंपनी के प्रमोटरों, उनसे जुड़ी कंपनियों और कथित सहयोगियों के परिसरों को शामिल किया गया है। ईडी के मुताबिक, तलाशी की कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।इससे पहले 20 जुलाई को भी ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय ने एक बड़े फर्जी डिग्री और जाली शैक्षणिक दस्तावेज मामले में कार्रवाई की थी। उस दौरान एजेंसी ने 25.44 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया था।अटैच की गई संपत्तियों में एक फार्महाउस, कई फ्लैट और वाहन शामिल थे। यह जांच उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। एसटीएफ की जांच में खुलासा हुआ था कि हापुड़ स्थित मोनाड यूनिवर्सिटी के नाम पर एक बड़ा गिरोह फर्जी डिग्री और शैक्षणिक दस्तावेज तैयार कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि यह गिरोह फर्जी मार्कशीट, डिग्री, प्रोविजनल सर्टिफिकेट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और अन्य शैक्षणिक दस्तावेज तैयार करने, बेचने और उनकी फर्जी पुष्टि कराने का अवैध कारोबार चला रहा था।

दिल्ली में आज भी बंद रहेंगे 17 प्रमुख मेट्रो स्टेशन, जान लें कहां मिलेगी एंट्री और कहां फंसेगा रास्ता

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राजधानी के जंतर-मंतर पर जारी सियासी घमासान ने आम जनता की रफ्तार पर लगातार तीसरे दिन भी सख्त पहरा लगा दिया है। अगर आप आज दफ्तर या कॉलेज जाने के लिए घर से निकल रहे हैं और आपका रूट लुटियंस या मध्य दिल्ली से होकर गुजरता है, तो यह खबर आपके लिए किसी जरूरी अलर्ट से कम नहीं है। सुरक्षा एजेंसियों के कड़े निर्देशों के बाद दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने शुक्रवार सुबह साढ़े सात बजे से 17 प्रमुख स्टेशनों के दरवाजे यात्रियों के लिए पूरी तरह बंद कर दिए हैं, जिससे सड़कों से लेकर मेट्रो की भूमिगत दुनिया तक में भारी असमंजस और असुविधा का माहौल बन गया है। इन तीन स्टेशनों पर मिलेगी लाइन बदलने की छूट, बाहर निकलने पर पाबंदी डीएमआरसी के अनुसार, सुरक्षा कारणों से शुक्रवार सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक सभी 17 प्रभावित स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट पूरी तरह से सील रहेंगे। हालांकि, यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजीव चौक, मंडी हाउस और केंद्रीय सचिवालय स्टेशनों पर मेट्रो लाइन बदलने (इंटरचेंज सुविधा) की अनुमति दी गई है। इसका मतलब है कि यात्री एक लाइन से दूसरी लाइन की ट्रेन तो पकड़ सकेंगे, लेकिन उन्हें स्टेशन परिसर से बाहर सड़क पर कदम रखने की इजाजत नहीं होगी।

भारत-रोमानिया आर्थिक संबंधों को नई गति : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रोमानियाई कंपनियों को भारत की विकास यात्रा से जुड़ने का दिया आह्वान

बुखारेस्ट/नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में आयोजित भारत-रोमानिया व्यापार मंच को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों, निवेश और प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए व्यापक अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने रोमानियाई कंपनियों से भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर रोमानिया के राष्ट्रपति निकुसोर डैन, वहां की सरकार के सदस्य, भारत और रोमानिया के प्रमुख उद्योगपति तथा दोनों देशों के उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि यूरोप के महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु पर स्थित रोमानिया अपनी रणनीतिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन, उन्नत औद्योगिक क्षमता और यूरोपीय संघ के साथ मजबूत एकीकरण के कारण भारत का स्वाभाविक और महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने कहा कि रोमानिया केवल निवेश का आकर्षक केंद्र ही नहीं, बल्कि पूरे यूरोपीय बाजार तक पहुंच का प्रमुख द्वार भी है। उन्होंने कहा कि भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि भारतीय उद्योग जगत का रोमानिया में उपलब्ध अवसरों पर भरोसा बढ़ रहा है और वह वहां दीर्घकालिक व्यापारिक साझेदारी स्थापित करना चाहता है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर दिया जोर

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार एवं आर्थिक सहयोग दोनों पक्षों की समकालीन साझेदारी का मजबूत आधार है। लगभग दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार और करीब 25 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था के साथ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) विश्व की सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारियों में से एक होगा।

उन्होंने कहा कि इस समझौते का शीघ्र और प्रभावी क्रियान्वयन व्यापारिक एकीकरण को मजबूत करेगा, निवेश प्रवाह बढ़ाएगा तथा मजबूत और विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में सहायक होगा। साथ ही इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, नवाचारकर्ताओं और नवप्रवर्तन आधारित उद्यमों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

विकसित भारत 2047 से खुलेंगे निवेश के नए अवसर

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प देश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा दे रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार निवेश, प्रौद्योगिकी और वैश्विक साझेदारियों को लगातार बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कर प्रणाली को सरल बनाने तथा उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत पारदर्शी, भरोसेमंद और निवेशकों के अनुकूल कारोबारी वातावरण तैयार कर रहा है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत और रोमानिया के बीच ऊर्जा सुरक्षा तथा पर्यावरण-अनुकूल परिवर्तन के क्षेत्र में व्यापक सहयोग की संभावनाएं हैं। इसके अलावा रसायन एवं उर्वरक उद्योग, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, साइबर सुरक्षा, अनुसंधान और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दोनों देश मिलकर नए अवसरों का लाभ उठा सकते हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधि सौरव दास और आशुतोष रंका भी वहां मौजूद हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके, नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट-यूजी 2026 पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए हो रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान समर्थकों को संबोधित कर रहे हैं।

ओडिशा सरकार पुरी की जगन्नाथ मंदिर की 60 हजार एकड़ जमीन लेगी वापस

भुवनेश्वर,(ए.)। ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की सालों से अतिक्रमण या कानूनी विवादों में फंसी भूमि को वापस लेने और उसका निपटारा करने के लिए एक बड़ी पहल की है। राज्य सरकार ने ओडिशा और छह अन्य राज्यों में मौजूद जगन्नाथ मंदिर, पुरी की 60,426 एकड़ से ज्यादा भूमि की पहचान की है। इसमें से करीब 395.252 एकड़ भूमि राज्य के बाहर मौजूद हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राजस्व बोर्ड, राजस्व मंडल आयुक्तों और जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि जगन्नाथ मंदिर प्रशासन द्वारा कई तहसीलों में दायर 11,675 राजस्व मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करें ताकि भूमि को वापस लिया जा सके। राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरविंद कुमार पाढ़ी ने अधिकारियों से कहा कि खुर्दा, पुरी, जगतसिंहपुर, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, गंजम, कटक और केंद्रपाड़ा जिलों में काफी समय से लंबित राजस्व मामलों के शीघ्र निपटान को पहली प्राथमिकता दी जाए।

पाढ़ी ने अधिकारियों को लिखे एक पत्र में कहा, 'भगवान जगन्नाथ की भूमि के संरक्षण और प्रबंधन से संबंधित तमाम मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

शुभ विचार, वाणी और कर्म ही बनाते हैं व्यक्तित्वः प्रधानमंत्री मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को एक प्रेरणादायक संस्कृत सुभाषित साझा करते हुए कहा कि व्यक्ति के विचार, वाणी और कर्म ही उसके व्यक्तित्व और जीवन की दिशा निर्धारित करते हैं। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में सदैव शुभ, सकारात्मक और कल्याणकारी विचारों तथा आचरण को अपनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने सामाजिक माध्यम एक्स पर अपने संदेश में एक संस्कृत सुभाषित साझा किया—

कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्ष्णं निषेवते।
तदेवापहरत्येनं तस्मात् कल्याणमाचरेत्॥

इस सुभाषित का भावार्थ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और वाणी के माध्यम से जिस प्रकार के व्यवहार और सोच का लगातार अभ्यास करता है, अंततः वही उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है और उसके जीवन की दिशा भी उसी के अनुरूप निर्धारित होती है।

उन्होंने कहा कि इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचारों, व्यवहार और संवाद में सदैव कल्याणकारी, सकारात्मक और प्रेरणादायी विषयों को ही स्थान देना चाहिए। अच्छे विचार और श्रेष्ठ आचरण न केवल व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक वातावरण का सृजन करते हैं।

प्रधानमंत्री का यह संदेश लोगों को नैतिक मूल्यों, सकारात्मक सोच और सदाचार को जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि व्यक्ति अपने मन, वचन और कर्म को सदैव अच्छे कार्यों की ओर केंद्रित रखे, तो उसका जीवन भी उसी दिशा में आगे बढ़ता है और समाज के कल्याण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

फ्लिपकोर्ट से मंगाया 1.11 लाख का आईफोन, बॉक्स खुला तो निकला दाढ़ी का तेल, कंज्यूमर फोरम ने लगाया तगड़ा जुर्माना

मुंबई,(आरएनएस)। ऑनलाइन शॉपिंग करते समय अगर आपके मंगाए गए कीमती सामान की जगह कोई मामूली चीज निकल आए, तो यह किसी बड़े झटके से कम नहीं होता। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ग्राहक ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट से 1 लाख रुपये से ज्यादा का 'आईफोन 14 प्रो' ऑर्डर किया था, लेकिन डिलीवरी बॉक्स खोलने पर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। पार्सल के अंदर चमचमाते स्मार्टफोन की बजाय दाढ़ी बढ़ाने का तेल (बियर्ड ऑयल) और कागज की पैकिंग सामग्री भरी हुई थी। महीनों तक चक्कर काटने के बावजूद जब कंपनी ने कोई सुनवाई नहीं की, तो पीड़ित ने उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब मुंबई (उपनगरीय) जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने फ्लिपकार्ट और उसके सेलर को कड़ी फटकार लगाते हुए ग्राहक को 1.81 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा चुकाने का ऐतिहासिक आदेश दिया है।

'सिर्फ माल बेचकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं भाग सकती कंपनी'

उपभोक्ता आयोग की अतिरिक्त पीठ ने इस पूरे मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ग्राहक ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए पूरी कीमत चुकाकर यह ऑर्डर दिया था। ऐसे में यह फ्लिपकार्ट का मुख्य दायित्व था कि ग्राहक तक सही और सुरक्षित सामान पहुंचे। आयोग ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि कोई भी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म केवल बिक्री कराके अपना

पल्ला नहीं झाड़ सकता। जब ग्राहक ने तुरंत गलत सामान मिलने की शिकायत दर्ज कराई थी, तो उस पर प्रभावी कार्रवाई करना और समस्या का समाधान करना कंपनी की कानूनी जिम्मेदारी बनती है।

बार-बार शिकायत बंद करना 'अनुचित व्यापारिक व्यवहार' करार

आयोग ने फ्लिपकार्ट और उसके सेलर 'इंटरनेशनल वैल्यू रिटेल प्राइवेट लिमिटेड' दोनों को सेवा में भारी लापरवाही और 'अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस' (अनुचित व्यापारिक व्यवहार) का दोषी ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि पीड़ित ग्राहक द्वारा सबूत देने के बावजूद मामले की ठीक से जांच न करना, गलत पार्सल वापस न लेना और न ही रिफंड देना उपभोक्ता अधिकारों का हनन है। इसके विपरीत, कंपनी द्वारा बिना कोई ठोस समाधान दिए बार-बार शिकायत को 'सॉल्व' बताकर बंद कर देना यह दर्शाता है कि ग्राहकों के हितों के प्रति भारी लापरवाही बरती गई है। इसलिए इस पूरे नुकसान और मानसिक परेशानी के लिए ई-कॉमर्स कंपनी और विक्रेता दोनों संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं।

नो-कॉस्ट ईएमआई पर मंगाया था फोन, चार्जर और कवर पहुंचे सही

यह मामला मुंबई के पवई इलाके के रहने वाले एक ग्राहक से जुड़ा है। उन्होंने 22 अप्रैल 2023 को फ्लिपकार्ट से 1,11,793 रुपये की कीमत वाला 'एपल आईफोन 14 प्रो (128 जीबी)' नो-कॉस्ट ईएमआई योजना के तहत खरीदा था। फोन के साथ ग्राहक ने अलग से चार्जर और मोबाइल कवर का भी आर्डर दिया था, जो बिल्कुल सही हालत में डिलीवर हुआ। लेकिन अगले दिन जब मुख्य पार्सल आया, तो उसमें आईफोन की जगह दाढ़ी का तेल निकला। ग्राहक ने अप्रैल से मई 2023 के बीच कंपनी के कस्टमर सपोर्ट से लगातार संपर्क किया और मांगे गए सभी जरूरी दस्तावेज भी सौंपे, फिर भी उन्हें न तो नया फोन मिला और न ही पैसे वापस किए गए।

45 दिन के भीतर ब्याज सहित 1.81 लाख चुकाने का अल्टीमेटम

उपभोक्ता आयोग ने फ्लिपकार्ट और सेलर को कड़ा निर्देश दिया है कि वे 45 दिनों के भीतर ग्राहक को 1,11,793 रुपये की पूरी राशि लौटाएं। इस रकम पर 22 अप्रैल 2023 से भुगतान होने तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी देना होगा। इसके अलावा, ग्राहक को हुए भारी मानसिक उत्पीड़न के लिए 50,000 रुपये और मुकदमे के खर्च के तौर पर 20,000 रुपये अलग से देने का आदेश सुनाया गया है।

कुपोषण से लड़ाई को नई मजबूती : मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 से बच्चों और माताओं को मिल रहा व्यापक पोषण समर्थन

पोषण ट्रैकर से हो रही रीयल-टाइम निगरानी, कुपोषण प्रबंधन के लिए संयुक्त प्रोटोकॉल भी लागू

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों में कुपोषण की समस्या को कम करने और मातृ एवं शिशु पोषण में सुधार लाने के उद्देश्य से मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) को प्रभावी रूप से लागू किया है। इस मिशन के तहत आधुनिक डिजिटल निगरानी व्यवस्था, संतुलित पोषण, सामुदायिक जागरूकता और कुपोषण प्रबंधन के लिए व्यापक रणनीति अपनाई गई है।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की है।

बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों को मिल रहा लाभ

मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं तथा आकांक्षी जिलों एवं पूर्वोत्तर राज्यों की 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को पोषण संबंधी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इस मिशन में आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों के लिए संचालित योजनाओं को एकीकृत किया गया है।

पोषण ट्रैकर से बढ़ी पारदर्शिता और निगरानी

मंत्रालय ने मार्च 2021 में पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन शुरू किया, जो आंगनवाड़ी केंद्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों की निगरानी का महत्वपूर्ण डिजिटल माध्यम बन चुका है।

इस एप्लिकेशन के जरिए आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों की दैनिक उपस्थिति, प्रारंभिक बाल शिक्षा गतिविधियों, बच्चों की वृद्धि की निगरानी, गर्म पके भोजन और घर ले जाने योग्य राशन के वितरण सहित विभिन्न सेवाओं का लगभग वास्तविक समय में रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इससे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा और आवश्यक सुधार संभव हो रहे हैं।

घर ले जाने योग्य राशन के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए चेहरे की पहचान प्रणाली (फेस रिकग्निशन सिस्टम) भी लागू की गई है, जिससे यह सुनिश्चित किया जाता है कि लाभ केवल पंजीकृत पात्र लाभार्थी को ही मिले।

कुपोषण रोकने के लिए नई रणनीति

मिशन के तहत कुपोषण कम करने के लिए सामुदायिक भागीदारी, जनजागरूकता अभियान, व्यवहार परिवर्तन, मातृ पोषण, शिशु एवं बाल पोषण तथा गंभीर एवं मध्यम तीव्र कुपोषण के उपचार पर विशेष बल दिया जा रहा है।

इस रणनीति का उद्देश्य बच्चों में बौनापन, अल्प वजन, एनीमिया और कुपोषण की समस्या को कम करना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना है।

संशोधित पोषण मानकों के अनुसार मिल रहा पूरक आहार

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप छह माह से छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और पात्र किशोरियों को पूरक पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है।

जनवरी 2023 में संशोधित पोषण मानकों के तहत अब केवल कैलोरी पर नहीं, बल्कि संतुलित एवं विविध आहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसमें गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन, स्वस्थ वसा, कैल्शियम, जस्ता, लौह तत्व, फोलेट तथा विटामिन ए, बी-6 और बी-12 जैसे आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल किए गए हैं।

सीए ने पत्नी संग नहर में कूदकर दी जान, कार में छूटे 4 मोबाइल और लैपटॉप ने खोला राज; 80 किमी दूर मिला पत्नी का शव

जीरकपुर,(आरएनएस)। पंजाब के जीरकपुर से चौंका देने वाली खबर सामने आई है, जिसने हर किसी को सन्न कर दिया है। भारी आर्थिक दबाव और मानसिक तनाव से जूझ रहे एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने अपनी पत्नी के साथ नहर में छलांग लगाकर अपनी जिंदगी खत्म कर ली। 21 जुलाई से रहस्यमयी तरीके से लापता इस दंपति की तलाश में जुटी पुलिस को अब दोनों के शव बरामद हो गए हैं। पति की लाश जहां पंजाब के राजपुरा के पास भाखड़ा नहर से मिली, वहीं पत्नी का शव पानी के तेज बहाव में बहते हुए 80 किलोमीटर दूर हरियाणा के कुरुक्षेत्र से बरामद हुआ है।

नहर किनारे लावारिस खड़ी कार ने खोला राज

पंजाब पुलिस को जांच के दौरान भाखड़ा नहर के किनारे एक कार लावारिस हालत में खड़ी मिली थी। जब पुलिस ने कार की तलाशी ली, तो उसके अंदर से चार मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद हुआ। इन मोबाइल फोन्स की मदद से जब पुलिस ने तफ्तीश आगे बढ़ाई, तो पता चला कि यह कार जीरकपुर के रहने वाले सीए राजीव बाली की है। परिवार से संपर्क करने पर यह सनसनीखेज खुलासा हुआ कि राजीव अपनी पत्नी नीरजा बाली के साथ 21 जुलाई को घर से निकले थे, लेकिन उसके बाद कभी वापस नहीं लौटे। कार मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत गोताखोरों की मदद से नहर में दोनों की तलाश शुरू कर दी।

पानी के बहाव में 80 किलोमीटर दूर बह गया नीरजा का शव

सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस को सीए राजीव बाली का शव तो राजपुरा के पास भाखड़ा नहर से मिल गया, लेकिन उनकी पत्नी नीरजा का कोई सुराग नहीं लग पा रहा था। काफी खोजबीन के बाद अब नीरजा का शव भी बरामद कर लिया गया है। उनका शव पानी के बहाव में बहते हुए पंजाब से करीब 80 किलोमीटर दूर हरियाणा में कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर के पास सरस्वती फीडर नहर तक पहुंच गया था।

ईरान से दो-दो हाथ करेगा पाकिस्तान ?

- सऊदी अरब के समर्थन का ऐलान

इस्लामाबाद,(ए.)। पाकिस्तान ने ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब और लाल सागर में व्यावसायिक जहाजों के खिलाफ दी गई हालिया धमकियों की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में इन धमकियों को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। पाकिस्तान ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वह सऊदी अरब के साथ होने वाले व्यापार या वाणिज्यिक नौवहन को निशाना बनाने वाली किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह बयान हूतियों की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने सऊदी अरब पर तत्काल समुद्री नाकाबंदी लगाने की धमकी दी थी।

विदेश कार्यालय ने साफ किया कि सऊदी अरब के बंदरगाहों तक पहुंच रोकने की कोई भी कोशिश क्षेत्रीय सुरक्षा, नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार के लिए बड़ा खतरा है। पाकिस्तान ने कहा कि उसके ध्वजवाहक जहाजों या समुद्री हितों के खिलाफ किसी भी कदम को राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर संकट माना जाएगा। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी समुद्री परिसंपत्तियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आत्मरक्षा सहित सभी आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई है। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच सितंबर 2025 में हुए सामरिक सहयोग और पारस्परिक रक्षा समझौते के तहत किसी एक देश पर हमला दोनों पर हमला

माना जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी हाल ही में सऊदी अरब पर हुए हूती मिसाइल हमलों की निंदा कर चुके हैं। हालांकि, अमेरिका-ईरान तनाव के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के लिए इस संघर्ष में तटस्थ रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा ऐलान, अब जहाजों को हुए हर नुकसान का एक-एक पैसा ईरान के खाते से वसूलेगा अमेरिका

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भविष्य में जहाजों, कार्गो या उससे जुड़ी प्रॉपर्टी को होने वाले किसी भी नुकसान का भुगतान अमेरिकी कंट्रोल में रखे ईरानी फंड से किया जाएगा।ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, "कृपया, इस बयान का मतलब है कि अगली सूचना तक, अब से जहाजों, कार्गो या उससे जुड़ी किसी भी चीज को हुए किसी भी नुकसान की भरपाई ईरानी पैसे से की जाएगी, जो अमेरिका के पास है और जिसे वह कंट्रोल करता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, "ये नुकसान बहुत ज्यादा हो सकते हैं, लेकिन फिर भी, यह सही और बराबरी का काम है।

न्यूयॉर्क में दो लोगों पर चाकू से हमलाः एक एशियाई शामिल, पुलिस और ममदानी ने क्यों जताई हेट क्राइम की आशंका?

न्यूयॉर्क (ए.)। न्यूयॉर्क के मैनहैटन के अपर वेस्ट साइड इलाके में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने राउल मोरालेस को दोनों मामलों में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि जांच अधिकारी हमलों के पीछे की वजह की जांच कर रहे हैं। इसमें यह भी देखा जा रहा है कि क्या यह नफरत फैलाने वाले अपराध का मामला है।

पुलिस आयुक्त टिश ने क्या बताया ?

न्यूयॉर्क शहर की पुलिस आयुक्त जेसिका एस टिश ने गुरुवार (स्थानीय समय) को जारी बयान में कहा कि दोनों पीड़ितों (एक एशियाई और एक यहूदी व्यक्ति) को माउंट सीनाई सेंट ल्यूक्स अस्पताल ले जाया गया है। दोनों के ठीक होने की उम्मीद है।

श्रीलंका में मच्छरों से निपटने के लिए सेना ने तैनात किए ड्रोन

- डेंगू के प्रकोप से अब तक हुई 53 की मौत

कोलंबो(ए.)। वर्ष 2016 में मलेरिया मुक्त घोषित हो चुके श्रीलंका में इस समय डेंगू मच्छर का भयानक

प्रकोप देखने को मिल रहा है। जनवरी से अब तक देश भर में 76,000 से अधिक डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 53 लोगों की जान जा चुकी है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार ने मच्छरों के प्रजनन स्थलों का पता लगाने के लिए वायुसेना के सैन्य ड्रोनों को मैदान में उतार दिया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सबसे अधिक मामले राजधानी कोलंबो में दर्ज किए गए हैं। केवल जुलाई के शुरुआती दो हफ्तों में ही 18,000 से अधिक नए मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस नए प्रकोप के लिए डेंगू के सबसे घातक वैरिएंट डीईएनवी-2 को जिम्मेदार ठहराया है, जो लगभग 75 प्रतिशत मामलों में पाया गया है। हाल में आए चक्रवाती तूफानों के बाद जगह-जगह हुए जलभराव से एडीज मच्छरों के पनपने की अनुकूल स्थितियाँ बनी हैं।

हालात पर काबू पाने के लिए वायुसेना के ड्रोन छतों और दुर्गम स्थानों पर जमा पानी की निगरानी कर रहे हैं। वहीं पुलिस और सार्वजनिक स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीमें घरों, स्कूलों और व्यावसायिक परिसरों का गहन निरीक्षण कर रही हैं। अभियान के तहत अब तक करीब 11,000 से अधिक प्रजनन स्थलों को नष्ट किया गया है, जबकि लापरवाही बरतने वाले 4,000 से अधिक परिसरों पर भारी जुर्माना लगाया गया है। अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ के कारण बिस्तरों की संख्या और डॉक्टरों की कार्य अवधि बढ़ा दी गई है। कुछ अस्पतालों में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुने मरीज भर्ती हो रहे हैं, जिससे हल्के लक्षण वाले मरीजों को घर पर ही देखभाल की सलाह दी जा रही है। श्रीलंका ने अभी तक डेंगू रोधी टीका लागू नहीं किया है, हालांकि अधिकारी इस विकल्प पर विचार कर रहे हैं। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि अगस्त में मानसूनी बारिश में कमी आने के साथ ही संक्रमण की रफ्तार धीमी हो सकती है।

टाइट कपड़े पहनकर साइकिल चलाना गवर्नर को पड़ा भारी, तुर्किए सरकार ने छीन ली कुर्सी

अंकारा (ए.)। तुर्किए के राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों से एक बेहद चौंकाने वाला और अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां एक वरिष्ठ गवर्नर को अपनी एक 'संडे राइड' भारी पड़ गई। अर्दहान प्रांत के गवर्नर मेहमत फतिह सिसेकली को केवल इसलिए अपने पद से हाथ धोना पड़ा, क्योंकि वह सड़कों पर साइकिल चलाते समय स्पोर्ट्स टाइट्स (टाइट कपड़े) पहने हुए नजर आए थे। एक एथलीट के तौर पर फिट रहने का उनका यह अंदाज सत्तारूढ़ दल के नेताओं को इतना नागवार गुजरा कि इसे सीधे राज्य की गरिमा और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ दिया गया। भारी सियासी बवाल के बाद तुर्किए सरकार ने तुगलकी फरमान सुनाते हुए उन्हें कुर्सी से ही हटा दिया, जिसके बाद पूरे देश में इस फैसले पर तीखी बहस छिड़ गई है।

संसद में गूंजा पहनावे का मुद्दा, सरकार ने रातों-रात छीनी कुर्सी

बीते हफ्ते तुर्किए की संसद में हुई एक बहस के दौरान यह मामला अचानक गरमा गया। सत्तारूढ़ दल के सांसद इनान अक्गुन अल्प ने एक स्थानीय समाचार वेबसाइट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए गवर्नर के कपड़ों पर जोरदार हमला बोला।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति शहाबुद्दीन को देना पड़ सकता है इस्तीफा

- शेख हसीना से बातचीत बनी विवाद की वजह

ढाका,(ए.)। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट एक बार फिर गहराता नजर आ रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के अपने कार्यकाल की समाप्ति से करीब दो साल पहले ही पद छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक, उनके जल्द इस्तीफा देने की संभावना है। शहाबुद्दीन जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन और सत्ता परिवर्तन के बाद भी अपने संवैधानिक पद पर बने हुए हैं। 2024 के बड़े छात्र आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। इसके बाद हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत चली गई थीं, जहां वह अब तक रह रही हैं। मौजूदा राजनीतिक माहौल में राष्ट्रपति और हसीना के बीच कथित संपर्क को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच विवाद बढ़ गया है।

राष्ट्रपति के संभावित इस्तीफे की चर्चाओं को उस समय और बल मिला, जब संसद अध्यक्ष हाफिज उद्दीन अहमद ने अपनी थाईलैंड यात्रा बीच में ही खत्म कर ढाका लौटने का फैसला किया। उनका पहले रविवार को लौटना तय था, लेकिन राजनीतिक हलचल के बीच वह शुक्रवार को ही वापस आ रहे हैं। संविधान के अनुसार राष्ट्रपति अपना इस्तीफा संसद अध्यक्ष को सौंपते हैं और नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक अध्यक्ष ही राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालते हैं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति शहाबुद्दीन और शेख हसीना के बीच हाल में टेलीफोन पर बातचीत हुई थी। इस बातचीत को लेकर सरकार में नाराजगी की खबरें सामने आई हैं।

हालांकि राजनीतिक नेताओं का कहना है कि राष्ट्रपति के इस्तीफे की संभावित वजह केवल यह बातचीत नहीं है, बल्कि मामला इससे कहीं ज्यादा जटिल है। दरअसल, शेख हसीना ने हाल ही में दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की बात कही थी। उनकी वापसी की घोषणा के बाद देश की राजनीति और ज्यादा संवेदनशील हो गई है। सरकार ने उनके लौटने की बात का स्वागत तो किया है, लेकिन साथ ही कहा है कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना होगा। मौजूदा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब बांग्लादेश पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रपति पद पर बदलाव की स्थिति बनती है तो इसका असर देश की सत्ता व्यवस्था और आगामी राजनीतिक समीकरणों पर पड़ सकता है। अब सबकी नजरें राष्ट्रपति के अगले कदम और संसद अध्यक्ष की भूमिका पर टिकी हैं।

फीचर

मात्र सात मिनट के रोल से मिली थी विवाह में भूमिका : अमृता राव

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड फिल्म विवाह में निभाए गए पूनम के किरदार को लेकर हाल

ही में बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव ने बताया कि उन्हें यह प्रतिष्ठित किरदार किस तरह मिला। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि निर्देशक सूरज बड़जात्या ने उन्हें किसी बड़ी हिट फिल्म के कारण नहीं, बल्कि एक ऐसी फिल्म में निभाए गए बेहद छोटे से किरदार को देखकर चुना था, जिसकी उन्होंने खुद भी कल्पना नहीं की थी।

अमृता राव ने बताया कि सूरज बड़जात्या ने उन्हें फिल्म द लीजेंड ऑफ भगत सिंह में उनके लगभग सात मिनट के छोटे से किरदार के आधार पर विवाह के लिए चुना था। अभिनेत्री के लिए यह बेहद आश्चर्यजनक था, क्योंकि उन्हें नहीं लगा था कि इतने कम स्क्रीन टाइम वाला किरदार किसी बड़े निर्देशक का ध्यान आकर्षित कर सकता है। लेकिन सूरज बड़जात्या ने उसी छोटी-सी भूमिका में उनकी सहजता और सादगी को पहचाना और उन्हें अपनी फिल्म की मुख्य नायिका बनने का अवसर दिया। अमृता ने अपनी पहली मुलाकात का अनुभव साझा करते हुए बताया कि जब वह सूरज बड़जात्या से मिलने पहुंचीं, तब उन्हें यह बिल्कुल पता नहीं था कि उन्हें किस तरह के किरदार के लिए बुलाया गया है।

इसी वजह से वह सामान्य मुंबई की युवती की तरह जींस और टी-शर्ट पहनकर उनसे मिलने गई थीं। मुलाकात के दौरान उन्हें पता चला कि निर्देशक उन्हें मधुपुर की एक सरल, पारंपरिक और संस्कारी लड़की पूनम की भूमिका में देख रहे हैं। उस समय उन्हें अपने आधुनिक पहनावे और प्रस्तावित किरदार के बीच का अंतर काफी दिलचस्प लगा और वह इस बात को याद कर आज भी मुस्कुरा देती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि मुलाकात के दौरान सूरज बड़जात्या ने कहा था कि उन्हें वह एक फिल्म में बहुत पसंद आई थीं। पहले तो अमृता को लगा कि शायद वह उनकी किसी चर्चित या सफल फिल्म की बात कर रहे हैं, लेकिन जब उन्होंने द लीजेंड ऑफ भगत सिंह का नाम लिया तो वह हैरान रह गईं।

अमृता के अनुसार, यह उनके लिए बेहद भावुक पल था, क्योंकि महज सात मिनट की भूमिका ने भी एक दूरदर्शी निर्देशक पर इतनी गहरी छाप छोड़ी थी कि उन्होंने उन्हें अपनी सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक की नायिका बना दिया। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी विवाह में अमृता राव के साथ शाहिद कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म में पूनम का सादगीपूर्ण और संस्कारी किरदार दर्शकों को इतना पसंद आया कि वह आज भी हिंदी सिनेमा के यादगार पात्रों में गिना जाता है। सीमित बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता हासिल की और अमृता राव तथा शाहिद कपूर की जोड़ी को देशभर में लोकप्रिय बना दिया।

अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं : महिमा मकवाना

मुंबई (ए.)। अपनी आगामी वेब सीरीज मुसाफिर कैफे को लेकर चर्चा में बनी अभिनेत्री महिमा मकवाना ने कहा कि अभिनय केवल ग्लैमर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण पेशा भी है। महिमा मकवाना का मानना है कि मनोरंजन जगत की चमक-दमक के पीछे कई ऐसी चुनौतियां छिपी होती हैं, जिनका सामना कलाकारों को रोजाना करना पड़ता है। अनियमित कार्यशैली, लंबे शूटिंग घंटे और लगातार बदलते शेड्यूल कलाकारों पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं, इसलिए मानसिक रूप से संतुलित रहना उनके लिए सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाता है। महिमा मकवाना ने कहा कि किसी भी कलाकार के लिए एक निश्चित और अनुशासित दिनचर्या बेहद जरूरी होती है। उनका मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित जीवनशैली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अभिनय ऐसा पेशा है, जहां हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है और इसके लिए मन का शांत तथा संतुलित होना आवश्यक है।

उन्होंने खुशी जताई कि अब फिल्म और वेब मनोरंजन उद्योग में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर पहले की तुलना में अधिक जागरूकता देखने को मिल रही है और इस विषय पर खुलकर चर्चा भी हो रही है। अभिनेत्री ने बताया कि मनोरंजन उद्योग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक अनिश्चित कार्य समय है। यहां न तो तय छुट्टियां होती हैं और न ही निश्चित काम के घंटे। कलाकारों को कई बार लगातार लंबे समय तक शूटिंग करनी पड़ती है, जबकि शेड्यूल भी बार-बार बदलते रहते हैं। ऐसे माहौल में निजी जीवन और पेशेवर जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि यदि इस संतुलन पर ध्यान नहीं दिया जाए तो इसका असर कलाकार के मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके काम की गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। महिमा के अनुसार, अब काम के घंटों और कार्य परिस्थितियों को लेकर उद्योग में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हर कलाकार की परिस्थितियां अलग होती हैं।

टी 5806- खेल समाप्त हो गया! पर काम चल रहा है : अमिताभ बच्चन

मुंबई (ए.)। अपने रहस्यमयी संदेशों के लिए पहचाने जाने वाले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक्स पर एक ऐसा पोस्ट साझा किया, जिसने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। उनके संदेश के बाद जहां कुछ प्रशंसकों ने उसके अलग-अलग मायने निकाले, वहीं कई लोगों ने तीखी प्रतिक्रियाएं भी दीं और उनकी आलोचना करते हुए सवाल उठाए।

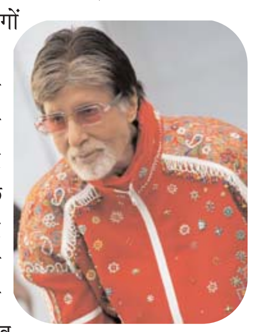

अमिताभ बच्चन ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, टी 5806- खेल समाप्त हो गया! पर काम चल रहा है। यह संक्षिप्त संदेश कुछ ही देर में वायरल हो गया और लोग इसके पीछे का अर्थ तलाशने लगे। पोस्ट पर बड़ी संख्या में प्रतिक्रियाएं आईं, जिनमें कई यूजर्स ने नाराजगी जताई। कुछ लोगों ने उनके संदेश को लेकर तीखी टिप्पणियां करते हुए उनके विवेक और सार्वजनिक भूमिका पर सवाल उठाए, जबकि कई अन्य यूजर्स ने अपनी निराशा भी व्यक्त की। सोशल मीडिया पर यह पोस्ट चर्चा और बहस का प्रमुख विषय बन गया। इस पोस्ट से पहले अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में जीवन, सीख और आत्मचिंतन को लेकर विस्तार से अपने विचार साझा किए थे। उन्होंने लिखा था कि हर नया दिन व्यक्ति को कुछ नया सिखाता है और जीवन में सीखने की प्रक्रिया कभी समाप्त नहीं होती। उनके अनुसार, हर अनुभव इंसान को आगे बढ़ने और स्वयं को बेहतर ढंग से समझने का अवसर देता है। उन्होंने यह भी कहा कि ज्ञान केवल पुस्तकों से नहीं, बल्कि अनुभवी लोगों से सीखने और लगातार स्वयं को विकसित करने से भी प्राप्त होता है। अपने ब्लॉग में अमिताभ ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यक्ति को अपने विवेक और अनुभव के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। उनका मानना है कि विशेषज्ञ भी गलतियां कर सकते हैं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि उनसे सीखकर आगे बढ़ा जाए।

उन्होंने लिखा कि यदि कोई निर्णय स्वयं की समझ के आधार पर लिया गया हो और उसमें गलती भी हो जाए, तो उसे स्वीकार करना और उससे सीखना आसान होता है। यही प्रक्रिया व्यक्ति को अधिक परिपक्व बनाती है। अमिताभ बच्चन के ब्लॉग में व्यक्त विचार और उनका हालिया सोशल मीडिया पोस्ट, दोनों अलग-अलग संदर्भों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। एक ओर उनका ब्लॉग जीवन के प्रति सकारात्मक, आत्मविश्लेषणात्मक और सीखने की भावना को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर उनके संक्षिप्त पोस्ट ने लोगों के बीच कई तरह की अटकलों और प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया। हालांकि अभिनेता ने अपने पोस्ट का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है, इसलिए उसके वास्तविक अर्थ को लेकर केवल अनुमान ही लगाए जा रहे हैं। अमिताभ बच्चन लंबे समय से सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अक्सर अपने अनुभव, भावनाएं तथा व्यक्तिगत विचार साझा करते हैं।

'उन्होंने मुझे जबरन किस किया और गाली..', कौन हैं सान्वी तलवार? करण कुंद्रा पर लगाए संगीन आरोप

एक्ट्रेस सान्वी तलवार और करण कुंद्रा ने एक साथ सीरियल 'ये कहां आ गए हम' में काम किया था। उस वक्त सीरियल के सेट से दोनों के टरकाव की कई खबरें आई थी। जिनपर कई साल बाद सान्वी ने उस घटना को याद करते हुए सच्चाई सामने रखी है।

एक्ट्रेस ने कहा डायरेक्टर ने दबाव बनाया

सान्वी तलवार ने याद करते हुए खुलासा किया की आखिर उनके और करण के बीच क्या हुआ था। टेली मसाला के साथ हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि 'मैं सेट पर करण से ज्यादा बात नहीं करती थी। मेरी यह बात करण सहित सेट के और लोगों के पसंद नहीं थी। इस वजह से डायरेक्टर्स मुझ पर मेल-जोल बढ़ाने के लिए दबाव बनाते थे। जो मुझे पसंद नहीं था।'

सेटपर एक एक दूसरे को मारा था थप्पड़

अपने इंटरव्यू में सान्वी ने कहा कि 'सेट पर एक सीन चल रहा था। जिसमें करण को किस करना था। मगर डायरेक्टर के बोलने के पहले ही करण ने किस

कर लिया। उनके ऐसा करने के बाद मुझे बहुत गुस्सा आया। मैंने करण को थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद वो वहां से चले गए। मगर 10-15 मिनिट बाद वापस लौटे और मुझे एक जोरदार थप्पड़ मारा। इतना ही नहीं उन्होंने मुझे काफी भला बुरा कहा।'

एकता कपूर ने मांगी माफी

इस हादसे के बाद करण ने कोई सान्वी से कोई माफी नहीं मांगी। मगर एकता कपूर ने उनसे मांफी मांगी। उन्होंने एक्ट्रेस से माफी मांगने के साथ सीरियल के सेट पर वापस आने की गुजारिश की। इसके बाद सान्वी ने उनकी बात मानते हुए सेट पर वापसी कर ली।

'वह मुझे टैटू दिखाने लगा'; जबरा फैन की हरकत देखकर हैरान रह गई थीं काजल अग्रवाल; सुनाया चौंकाने वाला किस्सा

काजल अग्रवाल ने अपना कड़वा अनुभव साझा करते हुए बताया, 'कुछ दिनों पहले, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी। पहले दिन का शॉट पूरा होने के बाद फिल्म का असिस्टेंट डायरेक्टर एक आदमी बिना मेरी इजाजत के मेरी वैनिटी वैन में घुस आया। आते ही उसने अपनी शर्ट उतारी और मुझे दिखाया कि उसने अपनी छाती पर मेरे नाम का टैटू बनवाया है। मैं इस अचानक हुई घटना से हैरान रह गई। मुझे उसकी तारीफ से खुशी हुई, लेकिन जब मैं अकेली थी, तो बिना इजाजत मेरे कमरे में आना और ऐसा करना ठीक नहीं था। इसलिए मैंने उसे धीरे से चेतावनी दी।

वैभव सूर्यवंशी टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने

हरारे (ए.)। वैभव सूर्यवंशी टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने गुरुवार को 15 साल और 118 दिन की उम्र में जिम्बाब्वे के विरुद्ध हरारे स्पोर्ट्स क्लब में यह कारनामा किया।

वैभव ने 19 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 50 रन की पारी खेली। इसी के साथ वैभव ने जिब्राल्टर के बल्लेबाज लुई ब्रूस का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2021 में माल्टा के विरुद्ध 16 साल और 56 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। इस लिस्ट में कविन चड्ढा तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2026 में इंडोनेशिया की तरफ से खेलते हुए 16 साल और 76 दिन की उम्र में स्वीडन के विरुद्ध यह कारनामा किया था। सिएरा लियोन के अलुसीन तुरे इस लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं, जिन्होंने 16 साल और 89 दिन की उम्र में घाना के खिलाफ साल 2023 में अर्धशतक जड़ा था। वहीं, भूटान के तेनजिन रबगी (16 वर्ष 118 दिन) इस लिस्ट में पांचवें स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 2023 में चीन के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक लगाया था। पूर्ण-सदस्यीय टीम की तरफ से अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाजों की लिस्ट में अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने साल 2019 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध ऐसा किया था। उस समय रहमानुल्लाह 17 साल और 296 दिन की उम्र के थे।वैभव सूर्यवंशी ने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था, जिसके साथ वह सचिन तेंदुलकर को पछाड़कर इस मामले में सबसे युवा भारतीय बने थे। 'मास्टर-ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। भारतीय महिलाओं में शेफाली वर्मा (15 साल और 239 दिन) शीर्ष पर हैं। वैभव ने इंग्लैंड दौरे पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था, जिसमें 14 रन बना सके।

मुरलीधरन ने करियर के अंतिम मैच में पूरे किये थे अपने 800 टेस्ट विकेट

कोलंबो (ए.)। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक स्पिनर हुए हैं उन्हीं में से एक हैं श्रीलंका के दिग्गज खिलाड़ी मुथैया मुरलीधरन। मुरलीधरन ने अपनी फिरकी से बल्लेबाजों को नचाया है। उनके नाम 800 टेस्ट विकेट का ऐतिहासिक रिकार्ड है जो आज तक कायम है। दुनिया को कोई भी स्पिनर उनका ये रिकार्ड तोड़ने की बात तो दूर उनके पास भी नहीं पहुंच पाया है। मुरलीधरन ने अपने अंतिम मैच में भी एक अनोखा रिकार्ड अपने नाम किया था। उन्होंने इस मैच में 8 विकेट लेकर अपने 800 विकेट पूरे किये थे। भारत के खिलाफ हुए इस मैच में मुरलीधरन भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह, हरभजन सिंह सहित कई खिलाड़ियों को आउट किया था। इस मैच में जब भारत की अंतिम जोड़ी खेल रही थी तब मुरलीधरन को 800 विकेट पूरे करने के लिए एक विकेट की जरुरत थी और बल्लेबाज प्रज्ञान ओझा के आउट होते ही, मुरलीधरन ने अपने करियर का 800वां और अंतिम टेस्ट विकेट हासिल कर इतिहास रच दिया था।

टी-20 सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा भारत, जिम्बाब्वे के सामने वापसी की चुनौती

हरारे, (ए.)। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में पहली जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम शनिवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में जीत हासिल करके तीन मैचों की श्रृंखला अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी। पहले मुकाबले में सात विकेट से मिली शानदार जीत के साथ भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है और अब उसकी नजर अजेय बढ़त पर होगी।आयरलैंड (0-2) और इंग्लैंड (0-4) के खिलाफ लगातार सीरीज हारने के बाद भारत ने पहले टी-20 में दमदार प्रदर्शन करते हुए आत्मविश्वास हासिल किया। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 19 गेंदों में अर्धशतकीय पारी और तेज गेंदबाज मयंक यादव के 4 ओवर में 18 रन देकर दो विकेट ने भारत की जीत की नींव रखी।126 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने छह ओवर से अधिक शेष रहते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। वैभव के तूफानी अर्धशतक के अलावा ईशान किशन ने 35 रन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 28 रन की संयमित पारी खेली।

लुका मोड्रिक ने एक साल के लिए बढ़ाया एसी मिलान संग अपना करार

मिलान (ए.)। क्रोएशिया के दिग्गज फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने अपने शानदार खेल करियर को एक और साल आगे बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने इटली के क्लब एसी मिलान के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा लिया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी है। मोड्रिक अब 30 जून 2027 तक एसी मिलान के साथ जुड़े रहेंगे। सितंबर में 41 साल के होने जा रहे मोड्रिक ने पिछले साल रियल मैड्रिड के साथ 13 साल का सफल सफर खत्म करने के बाद मिलान का दामन थामा था। एसी मिलान के साथ उनका पिछला करार 30 जून को समाप्त हो गया था। अपने पहले सीजन में मोड्रिक ने एसी मिलान के लिए 37 मुकाबले खेले और दो गोल किए। हालांकि, टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। मिलान सेरी ए में पांचवें स्थान पर रहा और कोपा इटालिया में टीम अंतिम-16 दौर तक ही पहुंच सकी। मोड्रिक ने पहले कहा था कि वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 के बाद अपने भविष्य को लेकर फैसला करेंगे। हालांकि, अब उन्होंने क्लब फुटबॉल में अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है।

क्रोएशिया की टीम वर्ल्ड कप में पुर्तगाल से हारकर राउंड ऑफ-32 से बाहर हो गई थी। एसी मिलान ने अपने बयान में कहा कि मोड्रिक ने एक और सीजन के लिए क्लब के साथ नया करार किया है। क्लब ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि मिडफील्ड में आने के बाद से मोड्रिक ने अपने अनुभव, मेहनत और खेल कौशल से टीम को मजबूती दी है। वह नए सीजन में भी टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

2018 में बैलन डी ओर जीतने वाले मोड्रिक अगले सीजन में भी एसी मिलान की नंबर-14 जर्सी पहनेंगे। मोड्रिक ने 2012 में इंग्लैंड के क्लब टोटेनहम हॉटस्पर से रियल मैड्रिड का रुख किया था।

Asian Games 2026: भारत-पाक महामुकाबले पर लटकी बड़ी शर्त, जानिए किस स्टेज पर होगी दोनों की भिड़ंत

आइची-नागोया (ए.)। एशियाई खेलों के महाकुंभ में एक बार फिर टी-20 क्रिकेट का रोमांच सिर चढ़कर बोलने को तैयार है, जिसने अभी से करोड़ों फैंस की धड़कनें तेज कर दी हैं। जापान में होने वाले 2026 के इस वैश्विक इवेंट का आधिकारिक ड्रा और शेड्यूल सामने आ चुका है। भारत इस बार भी मैदान में अपने पुराने दबदबे के साथ उतरेगा, जहां पुरुष और महिला दोनों ही टीमों के कंधों पर अपने स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) को बचाने की भारी जिम्मेदारी होगी। हालांकि, टूर्नामेंट के ऐलान के साथ ही क्रिकेट प्रेमियों के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान का हाई-वोल्टेज मुकाबला कब होगा? ड्रा के मुताबिक, दोनों टीमों की टक्कर इस बार सिर्फ एक विशेष परिस्थिति में ही संभव हो पाएगी।

सेमीफाइनल या फाइनल में ही टकराएंगे भारत और पाकिस्तान

टूर्नामेंट के घोषित नियम और सीडिंग व्यवस्था के तहत भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की पुरुष टीमों को टॉप सीड का दर्जा मिला है, जिसके कारण ये चारों टीमें सीधे क्वार्टर फाइनल में अपनी चुनौती पेश करेंगी। अहम बात यह है कि सीडिंग के कारण भारत और पाकिस्तान को टूर्नामेंट के अलग-अलग हाफ (ग्रुप) में रखा गया है। इसका सीधा अर्थ यह है कि लीग या शुरुआती नॉकआउट दौर में दोनों का सामना नहीं होगा। यदि दोनों टीमें अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर आगे बढ़ती हैं, तो फैंस को यह महामुकाबला केवल सेमीफाइनल या फिर सीधे खिताबी जंग (फाइनल) में ही देखने को मिलेगा।भारतीय पुरुष टीम की तरह ही महिला टीम भी अपने खिताब की रक्षा के लिए सीधे क्वार्टर फाइनल से मैदान में उतरेगी। पहले ही मुकाबले में भारतीय बेटियों का सामना मेजबान जापान की टीम से होगा। इस क्वार्टर फाइनल को जीतने के बाद सेमीफाइनल में भारत की भिड़ंत बांग्लादेश या चीन में से किसी एक टीम से होगी। वहीं, दूसरे हाफ के सेमीफाइनल में श्रीलंका या मलेशिया की विजेता टीम का सामना पाकिस्तान या थाईलैंड से होगा। महिला वर्ग के ड्रा से भी स्पष्ट है कि भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच भी खिताबी मुकाबला (फाइनल) ही एकमात्र ऐसा मौका होगा, जहां दोनों आमने-सामने आ सकती हैं।एशियन गेम्स के इतिहास में यह केवल चौथा मौका है जब क्रिकेट को शामिल किया गया है; इससे पहले 2010, 2014 और 2023 के खेलों में फैंस को यह रोमांच देखने को मिला था। इस बार सभी मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में होंगे और इन्हें आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय (इंटरनेशनल) दर्जा प्राप्त होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : भारत का पहला पदक पक्का, लवलीना सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लासगो (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की ओपनिंग सेरेमनी से पहले ही भारत ने अपना पहला पदक सुनिश्चित कर लिया है। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को 'बाय' मिला है। इसके माध्यम से सीधे सेमीफाइनल में पहुंचते हुए उन्होंने अपना पदक सुनिश्चित कर लिया।

टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन 'बाय' मिलने के बाद महिलाओं के 75 किग्रा कैटेगरी के सेमीफाइनल में सीधे पहुंचीं। ड्रॉ में सिर्फ पांच एथलीट थे, इसलिए लवलीना समेत तीन खिलाड़ी सीधे 'अंतिम-4' (सेमीफाइनल) में पहुंच गए, जबकि बाकी दो खिलाड़ियों को एकमात्र क्वार्टरफाइनल मैच खेलना था। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग नियमों के तहत, सेमीफाइनल में हारने वाले सभी खिलाड़ियों को कांस्य पदक दिया जाता है। इसका मतलब है कि ग्लासगो में अपना पहला मुकाबला खेलने से पहले ही लवलीना का कांस्य पदक पक्का हो गया है।

अनाहत वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश के सेमीफाइनल में पहुंचीं

दूसरी बार ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी

ओंटारियो (ए.)। भारत की अनाहत सिंह ने जीत के साथ ही लगातार दूसरी बार वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। अनाहत ये उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। अनाहत ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिस्र की हबीबा रिजक को 11-7, 11-5, 6-11, 11-9 से हराया। अब सेमीफाइनल में अनाहत का सामना मिस्र की ही बारब सामेह से होगा।

वहीं महिला वर्ग के अन्य मुकाबलों में भी मिस्र की ही खिलाड़ी हावी रहीं। बारब सामेह और मलिका एल्कराक्सी ने हांगकांग, चीन की हेलेन टैंग और बेल्जियम की सवाना मोक्सहैम को सीधे गेम में हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। बारब ने हेलेन को 11-1, 11-9, 11-7 से और मलिका ने सवाना को 11-8, 11-8, 11-5 से हराया। इसके अलावा, मिस्र की रुकैया सलेम ने भी एक बेहद रोमांचक मुकाबले में मलेशिया की व्हिटनी विल्सन को पांच गेम तक चले मुकाबले के बाद अंतिम चार में अपनी जगह बनायी। रुकैया ने 4-11, 11-5, 8-11, 11-9, 11-7 के स्कोर से जीत दर्ज की।

दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भी कई दिलचस्प मुकाबले देखने को मिले। इसमें भी मिस्र के ही खिलाड़ी हावी रहे। दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र के एडम हवल ने सऊदी अरब के मोहम्मद अलनासफान को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-3) से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। एक अन्य कड़े मुकाबले में, मिस्र के मारवान असल ने फ्रांस के अमीर खालिद-जौसेलिन को पांच गेम तक चले संघर्षपूर्ण मैच में 11-7, 7-11, 7-11, 11-6, 11-7 से हराया। ब्रिटिश जूनियर चैंपियन और सीडिंग 3/4 सेफेल्डिन रेफे ने बेल्जियम के मैडॉक्स मोक्सहैम को सीधे गेम में 11-6, 11-7, 11-9 से हराया।

छत्तीसगढ़ समाचार

मानसून बाइक रैली से पर्यटन, स्वच्छता और सुरक्षित यातायात का दिया संदेश

धमतरी (आरएनएस)। धमतरी जिले के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के संरक्षण, पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता और सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुक्रवार सुबह जिला प्रशासन ने मानसून बाइक रैली का आयोजन किया। सुबह 7 बजे संयुक्त जिला कार्यालय (कलेक्ट्रेट) परिसर से शुरू हुई यह रैली रुद्री चौक होते हुए प्रसिद्ध नरहरा जलप्रपात तक पहुंची। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने स्वच्छ पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित यातायात का संदेश दिया।रैली में जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, युवा बाइक राइडर्स तथा बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों ने यातायात नियमों का पालन करते हुए अनुशासित ढंग से बाइक चलाई और लोगों को हेलमेट पहनने, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा पर्यटन स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर अविनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिला है। इन स्थलों का संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक जिले के जलप्रपातों और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण करने आते हैं, इसलिए पर्यावरण संरक्षण, साफ-सफाई और सुरक्षित यातायात के प्रति लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से मानसून बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन का संदेश देते हुए लोगों से प्राकृतिक स्थलों की सुंदरता बनाए रखने में सहयोग की अपील की। जिला प्रशासन ने विश्वास जताया कि इस पहल से जिले में पर्यटन को नई पहचान मिलेगी तथा स्वच्छ, सुरक्षित और जिम्मेदार पर्यटन की संस्कृति को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में सड़क सुरक्षा के लिए आईआईटी मद्रास के साथ ऐतिहासिक एमओयू

-10 संवेदनशील जिलों में होगा पहले चरण का क्रियान्वयन

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के सड़क सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आज रायपुर में डेटा-आधारित हाइपरलोकल इंटरवेंशन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप थे।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन एवं आईआईटी मद्रास CoERS के बीच कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में वैज्ञानिक एवं डेटा-आधारित दृष्टिकोण से कमी लाना है। कार्यशाला में अधिकारियों को बताया गया कि सड़क दुर्घटना डेटा का विश्लेषण कर ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान की जाएगी हाइपरलोकल सड़क सुरक्षा उपाय और कम लागत वाले अभियांत्रिकी हस्तक्षेप किए जाएंगे। 'संजय' प्लेटफॉर्म के माध्यम से ब्लैक स्पॉट की समय पर पहचान कर साक्ष्य-आधारित निर्णय लिए जाएंगे। प्रथम चरण में राज्य के सड़क दुर्घटना की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील 10 जिलों को चिन्हित किया गया है। इन जिलों में जिला प्रशासन, पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक जिले के लिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप डेटा-आधारित सड़क सुरक्षा कार्ययोजना तैयार की जाएगी।परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रत्येक सड़क दुर्घटना किसी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति होती है।

अमर शहीद कौशल यादव के 27वें शहादत दिवस पर आज हुडको स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि समारोह

भिलाई, (आरएनएस)। कारगिल युद्ध के वीर चक्र सम्मानित अमर शहीद कौशल यादव के 27वें शहादत दिवस पर 25 जुलाई को भिलाई के हुडको स्थित कौशल यादव स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि एवं स्मृति समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में सुबह 11 बजे होगा।गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष हरप्रीत सिंह ने बताया कि समारोह में शहीद कौशल यादव के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नई पीढ़ी में देशभक्ति, राष्ट्रसेवा और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का एक प्रयास है।समारोह के दौरान रक्तदान शिविर और नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन ने प्रदेश के पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं, युवाओं, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अमर शहीद कौशल यादव को श्रद्धासुमन अर्पित करने की अपील की है।प्रेसवार्ता में हरप्रीत सिंह (पूर्व सैनिक एडवेंचर), कैप्टन ओ.पी. सिंह, मनीष शर्मा, वी.के. सिंह, बेनी प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार और नेहा मोदी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सड़कों से हटेंगे बेसहारा मवेशी, निगम ने 18 मवेशियों को अर्जुनी गौठान भेजा

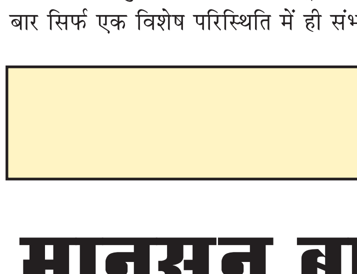

धमतरी, (ए.)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के उद्देश्य से नगर पालिका निगम धमतरी ने बेसहारा मवेशियों के खिलाफ विशेष अभियान तेज कर दिया है। आयुक्त अरुण कुमार वर्मा के निर्देश पर निगम की टीम ने अंबेडकर चौक से कलेक्ट्रेट मोड़ तक सघन कार्रवाई करते हुए 18 आवारा मवेशियों को पकड़कर सुरक्षित रूप से अर्जुनी गौठान भेजा।नगर निगम का कहना है कि मुख्य मार्गों पर खुले घूमने वाले मवेशियों के कारण यातायात प्रभावित होता है और राहगीरों व वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नियमित धरपकड़ अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु रहे और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आयुक्त अरुण कुमार वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए अभियान लगातार जारी रखा जाए। नगर निगम आयुक्त अरुण कुमार वर्मा ने मवेशी मालिकों से कहा कि मवेशी मालिक अपने मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़ें, बल्कि उन्हें घर अथवा निर्धारित स्थान पर सुरक्षित रखें। खुले में मवेशी छोड़ने वाले पशुपालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बहुड़ा गोंच रथयात्रा-कपाट फेड़ा पूजा विधान के साथ श्रीजगन्नाथ स्वामी पहुचे श्रीमंदिर

जगदलपुर,(ए.)। बस्तर गोंचा महापर्व में आज शुक्रवार को बहुड़ा गोंचा रथयात्रा पूजा विधान के तहत भगवान श्रीजगन्नाथ, सुभद्रा एवं बलभद्र स्वामी के विग्रहों को रथारूढ़ कर परंपरानुसार जिस मार्ग से श्रीगोंचा रथयात्रा पूजा विधान के दौरान गुंडिचा मंदिर-जनकपुरी-सीरासार भवन पहुंचे थे, उसी मार्ग से वापस श्रीजगन्नाथ मंदिर पहुंचें।श्रीमंदिर पहुंचने पर परंपरानुसार पूजा अनुष्ठान के बाद कपाट फेड़ा पूजा विधान के तहत महालक्ष्मी-नारायण संवाद हुआ। जिसमें हेरापंचमी पूजा विधान में रूठी हुई महालक्ष्मी के द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ के वापस श्रीमंदिर पहुंचने पर गर्भगृह का दरवाजा बंद कर अपनी नाराजगी प्रगट करती है। भगवान श्रीजगन्नाथ अपनी भार्या महालक्ष्मी को मनाने के प्रसंग, जिसमे महालक्ष्मी-नारायण का संवाद हुआ जिसका निर्वहन 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने किया। इसे जिसे कपाट फेडा पूजा विधान कहते हैं। कपाट फेडा पूजा विधान के सम्पन्नता के साथ ही रूठी हुई महालक्ष्मी श्रीमंदिर का दरवाजा खोल देती है। भगवान जगन्नाथ 25 दिनों तक श्रीमंदिर के गर्भगृह से बाहर रहने के बाद आज पुन: श्रीमंदिर के गर्भगृह में समस्त भक्तों-श्रधालुओं के दर्शनार्थ स्थापित हुए। भगवान श्रीजगन्नाथ श्रीमंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने के साथ ही बस्तर गोंचा पर्व की सम्पन्नता लगभग पूरी हो जाती है।बहुड़ा गोंचा रथयात्रा पूजा विधान एवं कपाट फेडा पूजा विधान के शाब्दिक अर्थों को जानने-समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी, भगवान श्रीकृष्ण के अवतार माने जाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण मनुष्य रूप में अवतरित हुये थे। तदानुसार भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी की पूजा अनुष्ठान-सेवा भी मनुष्य रूप में ही की जाती है।बस्तर गोंचा पर्व के समस्त पूजा विधान इसी परंपरा पर आधारित है।

महिला की संदिग्ध मौत : खुले प्लॉट में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर,(आरएनएस)। राजधानी रायपुर के मुजगहन थाना क्षेत्र में एक महिला का शव खुले प्लॉट में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही मुजगहन थाना पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, डुंडा स्थित स्वागत विहार कॉलोनी के एक खुले प्लॉट में बुधवार दोपहर महिला का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थाना प्रभारी और रायपुर पश्चिम जोन के डीसीपी रॉबिनसन गुरिया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस जांच में मृतका की पहचान सुभद्रा साहू (35 वर्ष) के रूप में हुई है। वह बोरियाकला की रहने वाली थी और घरों में काम कर परिवार का भरण-पोषण करती थी। बताया जा रहा है कि वह रोज की तरह काम पर निकली थी, लेकिन कुछ देर बाद उसका शव खुले प्लॉट में मिला।

पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। एफएसएल और डॉग स्क्वायड की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

रायपुर में गौवंश के साथ कथित अनाचार का मामला, आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र में गौवंश के साथ कथित अनाचार का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उरला थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफभारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, सत्य नगर बीरगांव निवासी एवं विश्व हिंदू परिषद बंजारी प्रखंड के सहमंत्री वीरेंद्र विश्वकर्मा ने लिखित शिकायत में बताया कि 21 जुलाई की सुबह उन्हें सूचना मिली कि राजेंद्र नगर उरला निवासी सूरज कुमार ने गौवंश के साथ कथित रूप से आपत्तिजनक कृत्य किया है। शिकायत में इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

अमर शहीद कुंवर चैनसिंह के शहादत दिवस पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

राज्य मंत्री श्री पंवार सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने कुंवर चैनसिंह और उनके साथियों को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

सीहोर (निप्र)। अमर शहीद कुँवर चैन सिंह के शहादत दिवस पर शासन की ओर से गाड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने अमर शहीद कुँवर चैनसिंह को श्रद्धा सुमन आर्पित किए। इस अवसर पर राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत का गायन भी किया गया। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अमर शहीद कुँवर चैन सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने कहा कि इस दुनिया में अपने लिए तो सभी जीते हैं, पर जो देश में लिए जिए उसी का जीवन सार्थक होता है। आज हम सभी ऐसे ही अमर शहीद वीर कुंवर चैनसिंह और उनके साथियों हिम्मत खां एवं बहादुर खां को श्रद्धांजली दे रहे हैं, जिन्होंने अपने जीवन को देश के लिए न्यौछावर कर दिया। राष्ट्र में जागरण और चेतना की लहर के लिए स्वयं किसी न किसी को आगे आना ही पड़ता है। कुंवर चैन सिंह भी उन्हीं वीर शहीदों में से एक थे। कुंवर चैनसिंह को अंगेजों की ताकत का पता होते हुए भी वे अंगेजों से भिड़ गए, क्योंकि उनका हौंसला बुलंद था। उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। जो देश अपने क्रांतिकारियों के बालिदानों को याद नही करता है उसकी नींव हमेशा कमजोर होती है। एक स्वतंत्र और मजबूत राष्ट्र की बुनियाद में अनेक शहीदों के बलिदान छुपे होते हैं। हमारी वर्तमान और आने वाली सभी पीढ़ियों को अपने अमर शहीदों का बलिदान हमेशा याद रखना चाहिए और राष्ट्र सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकता में ही राष्ट्र की सर्वोच्च शक्ति निहित है। हमारे देश ने सेकड़ों सालों तक गुलामी का बोझ झेला है। यदि उस समय हमारे देश के लोगों में एकता का भाव होता, तो शायद हमे इतने वर्षों तक गुलाम न रहना पड़ता। हमारे देश में भाईचारे की भावना सदियों पहले से रही, पर कुछ विदेशी आक्रांताओं ने आकर इस भाईचारे की भावना हो कमजोर किया और हम पर सैंकड़ों वर्षों तक राज किया। कार्यक्रम में विधायक सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, अमर शहीद कुँवर चैन सिंह के वंशज एवं पूर्व विधायक राजर्वधन सिंह, हिम्म्त खां बहादुर खां के वंशज जेडएके लोधी, भारत जोड़ो समिति के बलवीर सिंह तोमर ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजीव गुजराती, अनूप सिंह, कलेक्टर बालागुरु के., एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना, राजकुमार गुप्ता, सुदीप प्रजापति सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

व्यवसायिक उपयोग पाए जाने पर 05 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को रोकने के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश चंदेल और खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा कुबेरेश्वर धाम स्थित होटल, भोजनालय सहित अन्य दुकानों का निरीक्षण किया गया।

28 जुलाई को जिला जेल में शिविर लगाकर की जाएगी हेपेटाइटिस की जांच

सीहोर (निप्र)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर 28 जुलाई को जिले में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि हेपेटाइटिस-बी एवं हेपेटाइटिस-सी की रोकथाम, समय पर जांच, उपचार तथा जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शिविर लगाया जाएगा।

नशा मुक्ति अभियान के तहत सराय क्षेत्र में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीएसपी डॉ. अभिनंदना शर्मा ने युवाओं से नशे से दूर रहने का किया आह्वान

सीहोर (निप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान (15 जुलाई से 30 जुलाई) के अंतर्गत शुक्रवार को सीहोर शहर के सराय क्षेत्र में नशा मुक्ति को लेकर एक प्रभावशाली जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश देना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीएसपी डॉ. अभिनंदना शर्मा ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, सुरक्षित एवं जागरूक जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है तथा इसके उन्मूलन में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

इस अवसर पर मुफ्ती अब्दुल वहीद क़ासमी ने कुरआन और हदीस के संदर्भ में नशे की बुराइयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस्लाम हर उस चीज़ से रोकता है जो इंसान की बुद्धि, स्वास्थ्य, परिवार और समाज को नुकसान पहुँचाए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर अच्छे संस्कारों और सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए वक्ताओं ने भी नशा मुक्ति अभियान को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। समाजसेवी साथियों, मुस्लिम धर्मगुरुओं, युवाओं एवं मुस्लिम समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बिजली के खंभे में करंट आने से बैल की मौत, किसान ने एसडीएम से की मुआवजे की मांग

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला मुख्यालय के ग्राम आलादाखेड़ी निवासी किसान कैलाश सिंह ठाकुर ने बिजली विभाग की लापरवाही का आरोप लगाते हुए एसडीएम कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। किसान ने मामले की जांच कर उचित मुआवजा दिलाने और जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में किसान कैलाश सिंह ठाकुर ने बताया कि 21 जुलाई 2026 को वह ग्राम आलादाखेड़ी जोड़ के आगे नई कॉलोनी हसनाबाद जोड़ के पास स्थित सरकारी भूमि पर अपने बैल को चरा रहा था। इस दौरान बैल चरते-चरते एक बिजली के खंभे के पास पहुंच गया और अचानक जमीन पर गिर पड़ा। जब वह पास जाकर देखा तो बैल बिजली के खंभे से चिपका हुआ था। खंभे में करंट प्रवाहित होने के कारण बैल की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के समय क्षेत्र के किसान गजराज परमार और नारायण सिंह परमार भी मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने घटना की पुष्टि की।किसान ने एसडीएम को दिए आवेदन में मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर बिजली विभाग की लापरवाही की जिम्मेदारी तय की जाए तथा मृत बैल का उचित मुआवजा शीघ्र प्रदान किया जाए, ताकि उसे हुई आर्थिक क्षति की भरपाई हो सके।

मंडी स्थित सीडब्ल्यूएसएन हॉस्टल शुरु, दिव्यांग बच्चों को मिलेगी बेहतर पढ़ाई और पौष्टिक भोजन

सीहोर (निप्र)। मंडी क्षेत्र स्थित सीडब्ल्यूएसएन (विशेष आवश्यकता वाले बच्चे) दिव्यांग बालिका छात्रावास मनुबेन के सामने नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 की औपचारिक शुरुआत हो गई है। हॉस्टल के प्रारंभ होते ही यहां रहने वाली दिव्यांग बालिकाओं के चेहरों पर एक अलग ही खुशी और मुस्कान देखने को मिली।कलेक्टर बालागुरू के. और जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव के विशेष मार्गदर्शन में छात्रावास के शुभारंभ का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक महेश यादव और जिला शिक्षा केंद्र डीपीसी रमेश राम उइके के दिशा-निर्देशन में पूरे कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाली गई। वहीं जिला शिक्षा विभाग की नोडल समन्वयक स्वाति प्रियदर्शिनी, एमआरसी और डीडीआरसी स्टाफ के सहयोग से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कराया गया।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा रिबन काटकर की गई। इसके बाद छात्रावास में प्रवेश करने वाली बालिकाओं, उनके अभिभावकों और आए हुए अतिथियों का रोलीए कुमकुमए आरती और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया

सीहोर (निप्र)। भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महासचिव जितेंद्र सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ की जिला उपाध्यक्ष श्रीमती कृष्णा परमार ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता जितेंद्र सिंह ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना के उद्देश्य, इतिहास एवं संगठन की गौरवशाली यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय मजदूर संघ राष्ट्रहित, उद्योग हित एवं श्रमिक हित के समन्वय के सिद्धांत पर कार्य करने वाला देश का अग्रणी श्रमिक संगठन है। श्री सिंह ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीतियों, कार्यशैली एवं श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा श्रमिकों के अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपाध्यक्ष श्रीमती कृष्णा परमार ने भारतीय मजदूर संघ के सिद्धांतों पर चलकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठित प्रयासों से ही श्रमिकों के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सकती है। समारोह में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भारतीय मजदूर संघ की विचारधारा के अनुरूप कार्य करने तथा संगठन को सशक्त बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन संगठन की एकता एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। कार्यकम में पूर्व विभाग प्रमुख अनिल शर्मा, जिला मंत्री विनीत दुबे, गोपाल सिंह ठाकुर, ओमप्रकाश शर्मा, अतुल शर्मा विनोद बोयत, अनूप चौधरी, अम्बर मालवीय, विनोद जोशी, महेश यादव, महेश माहेश्वरी, रितेश चंदेल, गणेश यादव, मुकेश राठौर, दीपक दरोठिया, राजकुमार यादव, उषा राठौर,रजनी विश्वकर्मा, ललिता परमार, हेमलता मेवाड़ा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीहोर जिले में 24 जुलाई तक औसत 448.4 मिमी वर्षा दर्ज

सीहोर (निप्र)। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 24 जुलाई 2026 को जिले में औसतन 0.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में केवल श्यामपुर तहसील में 2.5 मिमी तथा आष्टा तहसील में 1.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। सीहोर, जावर, इछावर, भैरूंदा, बुधनी एवं रेहटी तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई।

01 जून 2026 से 24 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 448.4 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 488.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार आष्टा में सर्वाधिक 530.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके अलावा रेहटी में 496.2 मिमी, जावर में 479.0 मिमी, भैरूंदा में 469.0 मिमी, बुधनी में 457.0 मिमी, इछावर में 450.0 मिमी, सीहोर में 397.0 मिमी तथा श्यामपुर में 309.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 571 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 24 जुलाई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 364 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 207 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 86 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

नीट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों का नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने किया सम्मान

दर्शन अकादमी के सम्मान समारोह में विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह, कहा-शिक्षा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत

सीहोर (निप्र)। दर्शन अकादमी द्वारा आयोजित नीट परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में उन्होंने नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों के परिजनों एवं शिक्षकों का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में दर्शन अकादमी के संचालक ओमप्रकाश मेवाडा और ऋषि मीणा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं तथा संस्था की शैक्षणिक उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि नीट जैसी कठिन परीक्षा में सफलता प्राप्त करना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का गौरव है। इन विद्यार्थियों ने अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प से यह सिद्ध किया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो तो कोई भी मंजिल कठिन नहीं होती। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जो समाज और राष्ट्र को नई दिशा देता है तथा आज के युवा ही विकसित भारत के सशक्त निर्माता बनने वाले हैं।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शिक्षा, नवाचार और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करना समाज के लिए प्रेरणा का विषय है, क्योंकि इससे अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाज एवं राष्ट्र सेवा के लिए करें और सीहोर का नाम पूरे देश में रोशन करें।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष विपिन शास्ता, पार्षद राजेश माझी, विजेंद्र परमार, कमलेश राठौर, नरेंद्र राजपूत, शहर के गणमान्य नागरिक, अभिभावक, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर सभी ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।

कुबेरेश्वरधाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य शुभारंभ, पहले दिन डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे

29 जुलाई को होगा गुरु दीक्षा महोत्सव, छह दिवसीय आयोजन में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में शुक्रवार से छह दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। महोत्सव के पहले ही दिन देशभर से डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु कथा श्रवण एवं दर्शन के लिए पहुंचे। आयोजन के अंतर्गत 24 से 28 जुलाई तक शिव महापुराण कथा तथा 29 जुलाई को एक दिवसीय गुरु दीक्षा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

छह दिवसीय महोत्सव में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। प्रशासन और समिति ने यहां पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की है। करीब पांच एकड़ से अधिक भूमि पर भोजन प्रसादी के वितरण करने की व्यवस्था की है।श्रद्धालुओं की सेवा एवं व्यवस्थाओं के लिए देशभर से आए 5,000 से अधिक सेवादार भंडारे, भोजन प्रसादी वितरण, श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन और अन्य सेवाओं में पूरे समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। महोत्सव के पहले दिन श्रद्धालुओं के बीच 10 क्विंटल से अधिक नुक्ति (प्रसाद) का वितरण भी किया गया।महोत्सव में सेवा का अनूठा उदाहरण भी देखने को मिला। हरियाणा, पंजाब, कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों से आए आईटी एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी कथा में आने वाले श्रद्धालुओं के जूठे बर्तन साफ करने, भोजन प्रसादी वितरण और अन्य सेवा कार्यों में पूरे उत्साह के साथ लगे रहे।

नि:शुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर आज

विशेषज्ञ चिकित्सक देंगी परामर्श

सीहोर (निप्र)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान योजना के अंतर्गत अटल अस्पताल, गंगा आश्रम, सीहोर द्वारा आज शनिवार, 25 जुलाई 2026 को नि:शुल्क महिला स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक अटल अस्पताल, गंगा आश्रम, सीहोर में आयोजित होगा। शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. अंशु सोमानी (एम.बी.बी.एस., डी.एन.बी., OBGY, FMAS) द्वारा महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श दिया जाएगा। गर्भावस्था से प्रसव तक देखभाल, प्रसव संबंधी परामर्श, बांझपन की समस्या, सफेद पानी की समस्या, अत्यधिक एवं अनियमित माहवारी, गर्भाशय एवं अंडाशय की गांठ जैसी समस्याओं की जांच एवं उपचार संबंधी परामर्श नि:शुल्क उपलब्ध रहेगा।अस्पताल प्रबंधन ने अधिक से अधिक महिलाओं से इस नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने की अपील की गई है।

किसान कांग्रेस की पदयात्रा आज

सीहोर (निप्र)। किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान के निर्देशानुसार किसान हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर 25 जुलाई 2026 (शनिवार) को प्रात: 11:00 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय, सीहोर से जिला कलेक्ट्रेट तक पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा के समापन पर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगदीश चौहान ने बताया कि प्रदेश के किसान वर्तमान में मूंग खरीदी में व्याप्त अव्यवस्थाओं, ई-टोकन प्रणाली की जटिलताओं तथा किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध नहीं होने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

27 जुलाई से चर्च मैदान पर आयोजित होगी राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में आगामी 27 जुलाई से शहर के चर्च मैदान और आवासीय खेल-कूद मैदान पर राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर गत दिनों एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया के अलावा खेल अधिकारी अता उल्ला खा, सुयश कन्नोजिया, आनंद उपाध्याय, मनोज दीक्षित मामा, दीपक बाथम, राजा शर्मा, कोच मनोज अहिरवार आदि ने आयोजन समिति का गठन किया है। वहीं शुक्रवार को जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में दो मैच खेले गए। इसमें पहले मैच में सीहोर बाइज ने रोमांचक मुकाबले में सीहोर चिल्ड्रन को 1-0 से हराया। दूसरा मैच सीनियर वर्ग में एमजी क्लब सीहोर और आरएसआई के मध्य खेला गया। इसमें आरएसआई ने 3-1 से जीत हासिल की।

आगामी 27 जुलाई से होने वाली जूनियर राज्य स्तरीय बालक फुटबाल प्रतियोगिता के लिए शहर में फुटबाल खिलाड़ियों का महाकुंभ लगाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com